PROFESSIONAL EXAMINATION BOARD
Middle School Teacher Eligibility Test - 2018
07th Mar 2019 09:30AM

Topic:- Child Development & Pedagogy (CDP)

1) Identical Twins have _____. / समरूप जुड़वां (आइडेंटिकल ट्वीन्स) _____

1. developed out of two ova / दो अंडों से विकसित होते हैं।
2. no identical heredity / कोई भी समरूप आनुवंशिकता नहीं होती है।
3. common heredity / में समान आनुवंशिकता होती है।
4. usually no resemblance to each other/ आम तौर पर एक दूसरे से कोई समानता नहीं है।

Correct Answer :-

- common heredity / में समान आनुवंशिकता होती है।

2) Masculinity and femininity are typically linked to _____. / पुरुषत्व और स्त्रीत्व आम तौर पर _____ से जुड़े होते हैं।

1. Sexism / लिंगभेद
2. Sex / लिंग
3. Gender / लिंग
4. Patriarchy / पितृतन्त्र

Correct Answer :-

- Gender / लिंग

3) It's the part of the scientific method that uses the data to help explain the results of the experiment. What is it called? / यह वैज्ञानिक पद्धति का एक हिस्सा है जो प्रयोग के परिणामों की व्याख्या करने में मदद करने हेतु सूचना का उपयोग करता है। इसे क्या कहते है?

1. Conclusion/ निष्कर्ष
2. Purpose/ प्रयोजन
3. Hypothesis/ प्रकल्पना
4. Observation/ अवलोकन

Correct Answer :-

- Conclusion/ निष्कर्ष

4) Judgment should come through a systematic analysis and evaluation. This is known as _____. / निर्णय एक व्यवस्थित विश्लेषण और मूल्यांकन के माध्यम से होना चाहिए। इसे _____ रूप में जाना जाता है।

1. Critical thinking / गहन चिंतन
2. Insightful thinking / अंतर्दृष्टिपूर्ण चिंतन
3. Emotional thinking / भावनात्मक चिंतन
4. Divergent thinking / अपसारी चिंतन

Correct Answer :-

- Critical thinking / गहन चिंतन

5) The average attention span of a high school student is: / एक हाई स्कूल के छात्र की औसत ध्यान अवधि कितनी होती है:

1. 32-40min/ 32-40 मिनट

2. 25-30min/ 25-30 मिनट

3. 10-12min / 10-12 मिनट

4. 15-20 min/ 15-20 मिनट

Correct Answer :-

- 10-12min / 10-12 मिनट

6) When is the best time to reinforce behavior? / व्यवहार को पुनर्बलित करने का सबसे अच्छा समय कब है?

1. Long before the behavior occurs / व्यवहार होने से बहुत समय पहले

2. Long after the behavior occurs / व्यवहार होने के लंबे समय बाद

3. Shortly after the behavior occurs / व्यवहार होने से कुछ समय बाद

4. Shortly before the behavior occurs / व्यवहार होने से कुछ समय पहले

Correct Answer :-

- Shortly after the behavior occurs / व्यवहार होने से कुछ समय बाद

7) When a pleasant stimulus is added to increase the incidence of a behavior, it is known as: / जब एक व्यवहार की घटनाओं को बढ़ाने के लिए एक सुखद उद्दीपक को जोड़ा जाता है, तो इसे _____ रूप में जाना जाता है।

1. Positive punishment / सकारात्मक दण्ड

2. Positive reinforcement / सकारात्मक पुनर्बलन

3. Negative punishment / नकारात्मक दण्ड

4. Negative reinforcement / नकारात्मक पुनर्बलन

Correct Answer :-

- Positive reinforcement / सकारात्मक पुनर्बलन

8) Unless the typist, in order to learn typing prepares himself to start, he would not make much progress in a lethargic and unprepared manner. Who proposed this learning theory which believes in the 'Law of Readiness'? / जब तक टाइपिस्ट, टाइपिंग अधिगम के लिए खुद को शुरू करने के लिए तैयार नहीं करता है, तब तक वह एक सुस्त और अनपेक्षित तरीके से बहुत प्रगति नहीं करेगा। इस अधिगम सिद्धांत का प्रतिपादन किसने किया जो 'तत्परता के नियम' में विश्वास करता है?

1. Jean Piaget / जीन पियाजे

2. Edward Thorndike / एडवर्ड थार्नडाइक

3. Wolfgang Kohler / वोल्फगैंग कोहलर

4. Ian Pavlov / इवान पावलोव

Correct Answer :-

- Edward Thorndike / एडवर्ड थार्नडाइक

9) One way to involve all students in the class, so that no one feels left out is by: / कक्षा में सभी छात्रों को शामिल करने का एक तरीका निम्न है, ताकि कोई भी ऐसा महसूस न करे कि उसे छोड़ दिया गया है:

1. Punishing the non-performing students / गैर-प्रदर्शन करने वाले छात्रों को दंड देना

2. Changing the seating arrangements / बैठने की व्यवस्था को बदलना

3. Ignore the uninvolved students / बिना शामिल होने वाले छात्रों की उपेक्षा करना

4. Send the uninvolved students out of the class / बिना शामिल होने वाले छात्रों को कक्षा से बाहर भेज देना

Correct Answer :-

- Changing the seating arrangements / बैठने की व्यवस्था को बदलना

10) During a guidance service the help that a client receives is for: / एक मार्गदर्शन सेवा के दौरान, वह मदद जो एक ग्राहक को इसके लिए मिलती है:

1. giving solutions/ समाधान करने

2. making decisions on behalf of the client/ ग्राहक की ओर से निर्णय लेने

3. impose opinions/ राय थोपने

4. focus on setting goals and problem solving/ लक्ष्य निर्धारण और समस्या समाधान पर ध्यान देने

Correct Answer :-

- focus on setting goals and problem solving/ लक्ष्य निर्धारण और समस्या समाधान पर ध्यान देने

11) During development, a major prerequisite for learning is: / विकास के दौरान, अधिगम के लिए एक प्रमुख शर्त है:

1. Maturation / परिपक्वता

2. Encouragement / प्रोत्साहन

3. Guidance / निर्देशन

4. Financial help / वित्तीय सहायता

Correct Answer :-

- Maturation / परिपक्वता

12) Over protectiveness of parents leads to _____ in the child. / माता-पिता की अत्यधिक सुरक्षात्मकता बच्चे को _____ की ओर ले जाती है।

1. Confidence / आत्मविश्वास

2. Dependence / निर्भरता

3. Ego strength / अहंकार शक्ति

4. Level of aspiration / आकांक्षा के स्तर

Correct Answer :-

- Dependence / निर्भरता

13) Which of the following is a characteristic of the project method? / निम्नलिखित में से कौन-सी एक प्रोजेक्ट विधि की विशेषता है?

1. A voluntary undertaking / एक स्वैच्छिक व्यवसाय है।

2. Carried in its natural setting / अपनी प्राकृतिक सेटिंग में की जाती है।

3. Problematic act / समस्यात्मक कार्य।

4. Used for all round development of child's personality / छात्र के व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास के लिए उपयोग की जाती है।

Correct Answer :-

- Used for all round development of child's personality / छात्र के व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास के लिए उपयोग की जाती है।

14) Which one of the following is a principle of counselling/ निम्नलिखित में से क्या परामर्श का एक सिद्धांत है?

1. Diagnosis of external appearances. / बाहरी दिखावे का निदान।

2. Acceptance and understanding of individuals. / व्यक्तियों की स्वीकृति और समझ।

3. Flexibility of program according to community needs. / सामुदायिक आवश्यकताओं के अनुसार कार्यक्रम का लचीलापन।

4. extending help to all individuals. / सभी व्यक्तियों को सहायता प्रदान करना।

Correct Answer :-

- Acceptance and understanding of individuals. / व्यक्तियों की स्वीकृति और समझ।

15)

Which is the second stage of psychosocial development according to Erik Erikson? /
एरिक एरिक्सन के अनुसार, मनोसामाजिक विकास का दूसरा चरण कौन-सा है?

1. Initiative vs. guilt / पहल बनाम अपराध

2. Autonomy vs. shame and doubt / स्वतंत्रता बनाम शर्म और संदेह

3. Industry vs. inferiority / परिश्रम बनाम हीनता

4. Generativity vs. stagnation / उदारता बनाम ठहराव

Correct Answer :-

- Autonomy vs. shame and doubt / स्वतंत्रता बनाम शर्म और संदेह

16) The premise that an individual's behavior and affect are largely determined by his or her attitudes and assumptions about the world underlies: / वह आधार जो किसी व्यक्ति के व्यवहार और प्रभाव को बड़े पैमाने पर उसके नजरिए और दुनिया की समझ के बारे में मान्यताओं द्वारा निर्धारित किया जाता है:

1. Cognitive-behavior therapy/ संज्ञानात्मक-व्यवहार थेरेपी

2. Psychoanalytic psychotherapy/ मनोविश्लेषणात्मक मनोचिकित्सा

3. Milieu therapy/ मिलाउ थेरेपी

4. Modeling/ मॉडलिंग

Correct Answer :-

- Cognitive-behavior therapy/ संज्ञानात्मक-व्यवहार थेरेपी

17) In which stage of development does the child learn motor and physical skills necessary for playing different indoor and outdoor games? / विकास के किस चरण में बच्चा विभिन्न इनडोर और आउटडोर गेम खेलने के लिए आवश्यक मोटर और शारीरिक कौशल सीखता है?

1. Later childhood (6 to 12 years)/ पश्च बाल्यावस्था (6 से 12 वर्ष)

2. Infancy (up to 2 years)/ शैशवावस्था (2 वर्ष तक)

3. Adolescence (from 12 to 18 years)/ किशोरावस्था (12 से 18 वर्ष तक)

4. Early childhood (3 to 5 years)/ प्रारंभिक बाल्यावस्था (3 से 5 वर्ष)

Correct Answer :-

- Later childhood (6 to 12 years)/ पश्च बाल्यावस्था (6 से 12 वर्ष)

18) What must be encouraged in the second stage of psychosocial development according to Erikson? / एरिक्सन के अनुसार, मनोवैज्ञानिक विकास के दूसरे चरण में क्या प्रोत्साहित किया जाना चाहिए?

1. Relationships / संबंध

2. Support / सहयोग

3. Proximal development / निकटवर्ती विकास

4. Exploration / अन्वेषण

Correct Answer :-

- Exploration / अन्वेषण

19) What is the term used to denote the long-term increase in IQ over the past few decades? / पिछले कुछ दशकों में, बुद्धिमत्ता (आईक्यू) में दीर्घकालिक वृद्धि को निरूपित करने के लिए किस शब्द का उपयोग किया जाता है?

1. The Flynn effect / फ्लिन प्रभाव

2. The generation gap / पीढ़ी अंतराल

3. The IQ effect / आईक्यू प्रभाव

4. The Wechsler effect / वेचस्लेर प्रभाव

Correct Answer :-

- The Flynn effect / फ्लिन प्रभाव

20) What theory focuses on the role of operant conditioning in language acquisition? / भाषा अधिग्रहण में स्फूर्त अनुकूलन की भूमिका पर कौन सा सिद्धांत केंद्रित है?

1. Nativist theory / नैटिविस्ट सिद्धांत
2. Nature theory / प्रकृति सिद्धांत
3. Cognitive theory / संज्ञानात्मक सिद्धांत
4. Behaviourist theory / व्यवहारवादी सिद्धांत

Correct Answer :-

- Behaviourist theory / व्यवहारवादी सिद्धांत

21) What career would be ideal for a child with high spatial intelligence? / उच्च स्थानिक बुद्धि वाले बच्चे के लिए कौन सा व्यवसाय आदर्श होगा?

1. Architecture / वास्तुकला
2. Musical composition / संगीत रचना
3. Politics / राजनीति
4. Writing / लिखना

Correct Answer :-

- Architecture / वास्तुकला

22) Interest as well as _____ is a must to achieve desired success in a task. / रूचि के साथ -साथ _____ , एक कार्य में वांछित सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक है।

1. Attitude / अभिवृत्ति
2. Hard work / कठोर परिश्रम
3. Aptitude / योग्यता
4. Intelligence / बुद्धि

Correct Answer :-

- Aptitude / योग्यता

23) Who is the father of Psychoanalysis? / मनोविश्लेषण के जनक कौन हैं?

1. Carl Jung / कार्ल युंग
2. Erik Erikson / एरिक एरिक्सन
3. Jacques Lacan / ज़ाक लाकाँ
4. Sigmund Freud / सिग्मंड फ्रायड

Correct Answer :-

- Sigmund Freud / सिग्मंड फ्रायड

24) The Two-factor theory is introduced by: / द्विकारक सिद्धांत इनके द्वारा प्रतिपादित किया गया:

1. Lev Vygotsky / लिव वाइगोत्सकी
2. Abraham Maslow / अब्राहम मास्लो
3. Jean William Fritz Piaget / जीन विलियम फ्रिट्ज पियाजे
4. Frederick Herzberg / फ्रेडरिक हर्ज़बर्ग

Correct Answer :-

- Frederick Herzberg / फ्रेडरिक हर्ज़बर्ग

25) The two factors which were identified in the Two-factor theory are: / द्विकारक सिद्धांत में जिन दो कारकों की पहचान की गई थी, वे हैं:

1. chemical and social / रासायानिक और सामाजिक
2. motivation and hygiene / अभिप्रेरणा (मोटिवेशन) और स्वच्छता (हाइजीन)
3. physical and economical / भौतिक और अर्थशास्त्रीय
4. biological and environmental / जैविक और पर्यावरणीय

Correct Answer :-

- motivation and hygiene / अभिप्रेरणा (मोटिवेशन) और स्वच्छता (हाइजीन)

26) Louis L. Thurstone did not focus on which of the following abilities? / निम्नलिखित में से किस क्षमता पर लुइस एल. थर्स्टोन ने ध्यान केंद्रित नहीं किया?

1. Associative Memory /सहचारी स्मृति
2. Verbal Comprehension / मौखिक अवधारणा
3. Psychomotor Ability / मनोप्रेरणा योग्यता
4. Numerical Ability / संख्यात्मक क्षमता

Correct Answer :-

- Psychomotor Ability / मनोप्रेरणा योग्यता

27) Problem in spelling and reading are faced by a child affected by: / निम्न से प्रभावित एक बच्चे द्वारा वर्तनी और पढ़ने में समस्या का सामना करना पड़ता है:

1. Dysgraphia / डिसग्राफिया
2. Aphasia / वाचाघात
3. Dyslexia / डिस्लेक्सिया
4. Dyspraxia / डिस्प्रेक्सिया

Correct Answer :-

- Dyslexia / डिस्लेक्सिया

28) Pedagogy means to _____/ शिक्षाशास्त्र का अर्थ _____ होता है।

1. educate the child / बच्चे को शिक्षित करना
2. lead the child / बच्चे का नेतृत्व करना
3. guide the child / बच्चे को गाइड करना
4. understand the child / बच्चे को समझाना

Correct Answer :-

- understand the child / बच्चे को समझाना

29) The method that enables a student to solve a problem, carry out a task, or achieve a goal through a gradual shedding of outside assistance is called: / वह विधि जो किसी छात्र को किसी समस्या को हल करने, किसी कार्य को अंजाम देने या बाहरी सहायता के क्रमिक मदद के माध्यम से एक लक्ष्य प्राप्त करने में सक्षम बनाती है, उसे कहा जाता है:

1. Scaffolding / पाड़ (स्कैफोल्डिंग)
2. Active learning / सक्रिय अधिगम
3. Root memorization / मूल संस्मरण
4. Drilling / ड्रिलिंग

Correct Answer :-

- Scaffolding / पाड़ (स्कैफोल्डिंग)

30) Babies learn to differentiate between day and night by the age of _____. / _____ की आयु से बच्चे दिन और रात में अंतर करना सीखते हैं।

1. Six months / छह महीने

2. Three months / तीन महीने

3. One year / एक वर्ष

4. Nine months / नौ महीने

Correct Answer :-

- Three months / तीन महीने

Topic:- General Hindi (L1GH)

1) महाकवि विद्यापति की रचनाएं संस्कृत, अवहट्ठ और मैथिली - तीनों ही भाषाओं में उपलब्ध हैं । वे कर्मकाण्ड, धर्मशास्त्र, दर्शन, न्यास, सौन्दर्य-शास्त्र आदि के प्रकाण्ड पण्डित थे । उनकी रचनाओं के विपुल भण्डार से उनके ज्ञानफलक का अनन्त विस्तार स्पष्ट होता है । भक्ति रचना, श्रृंगारिक रचनाओं में मिलन-विरह के सूक्ष्म मनोभाव, रति-अभिसार के विशद चित्रण, कृतित्व वर्णन से राजपुरुषों का उत्साह वर्द्धन और नीति-शास्त्रों द्वारा उन्हें कर्तव्यबोध देना, सामान्य जन-जीवन के आहार-व्यवहार की पद्धतियाँ बताना तथा हर क्षेत्र की समीचीन जानकारियाँ उनकी कालजयी रचनाओं में दर्ज हैं । शास्त्र और लोक के संपूर्ण संसार पर उनका असाधारण अधिकार था । ओइनवारवंशीय अनेक राजाओं के शासनकाल में रचित उनकी समस्त कृतियाँ उनके अथाह ज्ञान और दूरदर्शिता का प्रमाण है । सहवर्ती राजाओं की शासन-पद्धति में वे सतत अपना मार्गदर्शन देते रहे । दरबार-सम्पोषित होने के बावजूद उनका एक भी रचनात्मक उद्यम कहीं चारण-धर्म में लिप्त नहीं हुआ । अपनी हर रचना से उन्होंने समकालीन चिन्तक, सामाजिक अभिकर्ता और राजकीय सलाहकार की प्रखर नैतिकता का निर्वहन किया ।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - मैथिली भाषा भारत के किस क्षेत्र में बोली जाती है ?

1. मिथिला

2. ब्रज

3. भोजपुर

4. अवध

Correct Answer :-

- मिथिला

2) महाकवि विद्यापति की रचनाएं संस्कृत, अवहट्ठ और मैथिली - तीनों ही भाषाओं में उपलब्ध हैं । वे कर्मकाण्ड, धर्मशास्त्र, दर्शन, न्यास, सौन्दर्य-शास्त्र आदि के प्रकाण्ड पण्डित थे । उनकी रचनाओं के विपुल भण्डार से उनके ज्ञानफलक का अनन्त विस्तार स्पष्ट होता है । भक्ति रचना, श्रृंगारिक रचनाओं में मिलन-विरह के सूक्ष्म मनोभाव, रति-अभिसार के विशद चित्रण, कृतित्व वर्णन से राजपुरुषों का उत्साह वर्द्धन और नीति-शास्त्रों द्वारा उन्हें कर्तव्यबोध देना, सामान्य जन-जीवन के आहार-व्यवहार की पद्धतियाँ बताना तथा हर क्षेत्र की समीचीन जानकारियाँ उनकी कालजयी रचनाओं में दर्ज हैं । शास्त्र और लोक के संपूर्ण संसार पर उनका असाधारण अधिकार था । ओइनवारवंशीय अनेक राजाओं के शासनकाल में रचित उनकी समस्त कृतियाँ उनके अथाह ज्ञान और दूरदर्शिता का प्रमाण है । सहवर्ती राजाओं की शासन-पद्धति में वे सतत अपना मार्गदर्शन देते रहे । दरबार-सम्पोषित होने के बावजूद उनका एक भी रचनात्मक उद्यम कहीं चारण-धर्म में लिप्त नहीं हुआ । अपनी हर रचना से उन्होंने समकालीन चिन्तक, सामाजिक अभिकर्ता और राजकीय सलाहकार की प्रखर नैतिकता का निर्वहन किया ।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - नीतिशास्त्र के माध्यम से महाकवि विद्यापति ने किसे कर्तव्यबोध कराया ?

1. महाकवियों

2. समकालीन चिन्तकों

3. सैनिकों

4. राजपुरुषों

Correct Answer :-

- राजपुरुषों

3) महाकवि विद्यापति की रचनाएं संस्कृत, अवहट्ठ और मैथिली - तीनों ही भाषाओं में उपलब्ध हैं । वे कर्मकाण्ड, धर्मशास्त्र, दर्शन, न्यास, सौन्दर्य-शास्त्र आदि के प्रकाण्ड पण्डित थे । उनकी रचनाओं के विपुल भण्डार से उनके ज्ञानफलक का अनन्त विस्तार स्पष्ट होता है । भक्ति रचना, श्रृंगारिक रचनाओं में मिलन-विरह के सूक्ष्म मनोभाव, रति-अभिसार के विशद चित्रण, कृतित्व वर्णन से राजपुरुषों का उत्साह वर्द्धन और नीति-शास्त्रों द्वारा उन्हें कर्तव्यबोध देना, सामान्य जन-जीवन के आहार-व्यवहार की पद्धतियाँ बताना तथा हर क्षेत्र की समीचीन जानकारियाँ उनकी कालजयी रचनाओं में दर्ज हैं । शास्त्र और लोक के संपूर्ण संसार पर उनका असाधारण अधिकार था । ओइनवारवंशीय अनेक राजाओं के शासनकाल में रचित उनकी समस्त कृतियाँ उनके अथाह ज्ञान और दूरदर्शिता का प्रमाण है । सहवर्ती राजाओं की शासन-पद्धति में वे सतत अपना मार्गदर्शन देते रहे । दरबार-सम्पोषित होने के बावजूद उनका एक भी रचनात्मक उद्यम कहीं चारण-धर्म में लिप्त नहीं हुआ । अपनी हर रचना से उन्होंने समकालीन चिन्तक, सामाजिक अभिकर्ता और राजकीय सलाहकार की प्रखर नैतिकता का निर्वहन किया ।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - महाकवि विद्यापति की रचनाएँ किन राजाओं के शासनकाल में रचित हैँ ?

1. पाल वंशीय

2. गुप्त वंशीय

3. ओइनवारवंशीय

4. मौर्य वंशीय

Correct Answer :-

- ओइनवारवंशीय

4) महाकवि विद्यापति की रचनाएं संस्कृत, अवहट्ठ और मैथिली - तीनों ही भाषाओं में उपलब्ध हैं । वे कर्मकाण्ड, धर्मशास्त्र, दर्शन, न्यास, सौन्दर्य-शास्त्र आदि के प्रकाण्ड पण्डित थे । उनकी रचनाओं के विपुल भण्डार से उनके ज्ञानफलक का अनन्त विस्तार स्पष्ट होता है । भक्ति रचना, श्रृंगारिक रचनाओं में मिलन-विरह के सूक्ष्म मनोभाव, रति-अभिसार के विशद चित्रण, कृतित्व वर्णन से राजपुरुषों का उत्साह वर्द्धन और नीति-शास्त्रों द्वारा उन्हें कर्तव्यबोध देना, सामान्य जन-जीवन के आहार-व्यवहार की पद्धतियाँ बताना तथा हर क्षेत्र की समीचीन जानकारियाँ उनकी कालजयी रचनाओं में दर्ज हैं । शास्त्र और लोक के संपूर्ण संसार पर उनका असाधारण अधिकार था । ओइनवारवंशीय अनेक राजाओं के शासनकाल में रचित उनकी समस्त कृतियाँ उनके अथाह ज्ञान और दूरदर्शिता का प्रमाण है । सहवर्ती राजाओं की शासन-पद्धति में वे सतत अपना मार्गदर्शन देते रहे । दरबार-सम्पोषित होने के बावजूद उनका एक भी रचनात्मक उद्यम कहीं चारण-धर्म में लिप्त नहीं हुआ । अपनी हर रचना से उन्होंने समकालीन चिन्तक, सामाजिक अभिकर्ता और राजकीय सलाहकार की प्रखर नैतिकता का निर्वहन किया ।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - किस प्रकार के वर्णन द्वारा महाकवि विद्यापति ने राजपुरुषों का उत्साहवर्द्धन किया?

1. कृतित्व वर्णऩ

2. सूक्ष्म मनोभावों

3. नीति शास्त्रों

4. शासन पद्धति

Correct Answer :-

- कृतित्व वर्णऩ

5) महाकवि विद्यापति की रचनाएं संस्कृत, अवहट्ठ और मैथिली - तीनों ही भाषाओं में उपलब्ध हैं । वे कर्मकाण्ड, धर्मशास्त्र, दर्शन, न्यास, सौन्दर्य-शास्त्र आदि के प्रकाण्ड पण्डित थे । उनकी रचनाओं के विपुल भण्डार से उनके ज्ञानफलक का अनन्त विस्तार स्पष्ट होता है । भक्ति रचना, श्रृंगारिक रचनाओं में मिलन-विरह के सूक्ष्म मनोभाव, रति-अभिसार के विशद चित्रण, कृतित्व वर्णन से राजपुरुषों का उत्साह वर्द्धन और नीति-शास्त्रों द्वारा उन्हें कर्तव्यबोध देना, सामान्य जन-जीवन के आहार-व्यवहार की पद्धतियाँ बताना तथा हर क्षेत्र की समीचीन जानकारियाँ उनकी कालजयी रचनाओं में दर्ज हैं । शास्त्र और लोक के संपूर्ण संसार पर उनका असाधारण अधिकार था । ओइनवारवंशीय अनेक राजाओं के शासनकाल में रचित उनकी समस्त कृतियाँ उनके अथाह ज्ञान और दूरदर्शिता का प्रमाण है । सहवर्ती राजाओं की शासन-पद्धति में वे सतत अपना मार्गदर्शन देते रहे । दरबार-सम्पोषित होने के बावजूद उनका एक भी रचनात्मक उद्यम कहीं चारण-धर्म में लिप्त नहीं हुआ । अपनी हर रचना से उन्होंने समकालीन चिन्तक, सामाजिक अभिकर्ता और राजकीय सलाहकार की प्रखर नैतिकता का निर्वहन किया ।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - 'मिलन-विरह' पदबंध में किस प्रकार का संबंध है?

1. समानार्थी

2. उपसर्ग-धातु

3. विलोमार्थी

4. विशेषण - विशेष्य

Correct Answer :-

- विलोमार्थी

6) महाकवि विद्यापति की रचनाएं संस्कृत, अवहट्ठ और मैथिली - तीनों ही भाषाओं में उपलब्ध हैं । वे कर्मकाण्ड, धर्मशास्त्र, दर्शन, न्यास, सौन्दर्य-शास्त्र आदि के प्रकाण्ड पण्डित थे । उनकी रचनाओं के विपुल भण्डार से उनके ज्ञानफलक का अनन्त विस्तार स्पष्ट होता है । भक्ति रचना, श्रृंगारिक रचनाओं में मिलन-विरह के सूक्ष्म मनोभाव, रति-अभिसार के विशद चित्रण, कृतित्व वर्णन से राजपुरुषों का उत्साह वर्द्धन और नीति-शास्त्रों द्वारा उन्हें कर्तव्यबोध देना, सामान्य जन-जीवन के आहार-व्यवहार की पद्धतियाँ बताना तथा हर क्षेत्र की समीचीन जानकारियाँ उनकी कालजयी रचनाओं में दर्ज हैं । शास्त्र और लोक के संपूर्ण संसार पर उनका असाधारण अधिकार था । ओइनवारवंशीय अनेक राजाओं के शासनकाल में रचित उनकी समस्त कृतियाँ उनके अथाह ज्ञान और दूरदर्शिता का प्रमाण है । सहवर्ती राजाओं की शासन-पद्धति में वे सतत अपना मार्गदर्शन देते रहे । दरबार-सम्पोषित होने के बावजूद उनका एक भी रचनात्मक उद्यम कहीं चारण-धर्म में लिप्त नहीं हुआ । अपनी हर रचना से उन्होंने समकालीन चिन्तक, सामाजिक अभिकर्ता और राजकीय सलाहकार की प्रखर नैतिकता का निर्वहन किया ।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - 'दूरदर्शिता' का अर्थ क्या होता है?

1. दूरदर्शन देखनेवाला

2. दूर तक जाने वाला

3. दूर तक न देखनेवाला

4. भविष्य देखने वाला

Correct Answer :-

- भविष्य देखने वाला

7) महाकवि विद्यापति की रचनाएं संस्कृत, अवहट्ठ और मैथिली - तीनों ही भाषाओं में उपलब्ध हैं । वे कर्मकाण्ड, धर्मशास्त्र, दर्शन, न्यास, सौन्दर्य-शास्त्र आदि के प्रकाण्ड पण्डित थे । उनकी रचनाओं के विपुल भण्डार से उनके ज्ञानफलक का अनन्त विस्तार स्पष्ट होता है । भक्ति रचना, श्रृंगारिक रचनाओं में मिलन-विरह के सूक्ष्म मनोभाव, रति-अभिसार के विशद चित्रण, कृतित्व वर्णन से राजपुरुषों का उत्साह वर्द्धन और नीति-शास्त्रों द्वारा उन्हें कर्तव्यबोध देना, सामान्य जन-जीवन के आहार-व्यवहार की पद्धतियाँ बताना तथा हर क्षेत्र की समीचीन जानकारियाँ उनकी कालजयी रचनाओं में दर्ज हैं । शास्त्र और लोक के संपूर्ण संसार पर उनका असाधारण अधिकार था । ओइनवारवंशीय अनेक राजाओं के शासनकाल में रचित उनकी समस्त कृतियाँ उनके अथाह ज्ञान और दूरदर्शिता का प्रमाण है । सहवर्ती राजाओं की शासन-पद्धति में वे सतत अपना मार्गदर्शन देते रहे । दरबार-सम्पोषित होने के बावजूद उनका एक भी रचनात्मक उद्यम कहीं चारण-धर्म में लिप्त नहीं हुआ । अपनी हर रचना से उन्होंने समकालीन चिन्तक, सामाजिक अभिकर्ता और राजकीय सलाहकार की प्रखर नैतिकता का निर्वहन किया ।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - 'समीचीन' का पर्यायवाची क्या है?

1. उपर्युक्त
2. चीन युक्त
3. चीनी का बना
4. उपयुक्त

Correct Answer :-

- उपयुक्त

8) महाकवि विद्यापति की रचनाएं संस्कृत, अवहट्ठ और मैथिली - तीनों ही भाषाओं में उपलब्ध हैं । वे कर्मकाण्ड, धर्मशास्त्र, दर्शन, न्यास, सौन्दर्य-शास्त्र आदि के प्रकाण्ड पण्डित थे । उनकी रचनाओं के विपुल भण्डार से उनके ज्ञानफलक का अनन्त विस्तार स्पष्ट होता है । भक्ति रचना, श्रृंगारिक रचनाओं में मिलन-विरह के सूक्ष्म मनोभाव, रति-अभिसार के विशद चित्रण, कृतित्व वर्णन से राजपुरुषों का उत्साह वर्द्धन और नीति-शास्त्रों द्वारा उन्हें कर्तव्यबोध देना, सामान्य जन-जीवन के आहार-व्यवहार की पद्धतियाँ बताना तथा हर क्षेत्र की समीचीन जानकारियाँ उनकी कालजयी रचनाओं में दर्ज हैं । शास्त्र और लोक के संपूर्ण संसार पर उनका असाधारण अधिकार था । ओइनवारवंशीय अनेक राजाओं के शासनकाल में रचित उनकी समस्त कृतियाँ उनके अथाह ज्ञान और दूरदर्शिता का प्रमाण है । सहवर्ती राजाओं की शासन-पद्धति में वे सतत अपना मार्गदर्शन देते रहे । दरबार-सम्पोषित होने के बावजूद उनका एक भी रचनात्मक उद्यम कहीं चारण-धर्म में लिप्त नहीं हुआ । अपनी हर रचना से उन्होंने समकालीन चिन्तक, सामाजिक अभिकर्ता और राजकीय सलाहकार की प्रखर नैतिकता का निर्वहन किया ।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - महाकवि विद्यापति की राजकीय सलाहकार के रूप में कौन-सी विशेषता थी?

1. प्रखर कलावादी
2. प्रखर युद्धवादी
3. प्रखर शासकीय
4. प्रखर नैतिक

Correct Answer :-

- प्रखर नैतिक

9) महाकवि विद्यापति की रचनाएं संस्कृत, अवहट्ठ और मैथिली - तीनों ही भाषाओं में उपलब्ध हैं । वे कर्मकाण्ड, धर्मशास्त्र, दर्शन, न्यास, सौन्दर्य-शास्त्र आदि के प्रकाण्ड पण्डित थे । उनकी रचनाओं के विपुल भण्डार से उनके ज्ञानफलक का अनन्त विस्तार स्पष्ट होता है । भक्ति रचना, श्रृंगारिक रचनाओं में मिलन-विरह के सूक्ष्म मनोभाव, रति-अभिसार के विशद चित्रण, कृतित्व वर्णन से राजपुरुषों का उत्साह वर्द्धन और नीति-शास्त्रों द्वारा उन्हें कर्तव्यबोध देना, सामान्य जन-जीवन के आहार-व्यवहार की पद्धतियाँ बताना तथा हर क्षेत्र की समीचीन जानकारियाँ उनकी कालजयी रचनाओं में दर्ज हैं । शास्त्र और लोक के संपूर्ण संसार पर उनका असाधारण अधिकार था । ओइनवारवंशीय अनेक राजाओं के शासनकाल में रचित उनकी समस्त कृतियाँ उनके अथाह ज्ञान और दूरदर्शिता का प्रमाण है । सहवर्ती राजाओं की शासन-पद्धति में वे सतत अपना मार्गदर्शन देते रहे । दरबार-सम्पोषित होने के बावजूद उनका एक भी रचनात्मक उद्यम कहीं चारण-धर्म में लिप्त नहीं हुआ । अपनी हर रचना से उन्होंने समकालीन चिन्तक, सामाजिक अभिकर्ता और राजकीय सलाहकार की प्रखर नैतिकता का निर्वहन किया ।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - महाकवि विद्यापति की रचनाएँ राजपुरुषों को सामान्य जन-जीवन संबंधी कौन-सी जानकारी देती थी?

1. आहार-व्यवहार की पद्धति बताना
2. खेती की पद्धतियाँ बताना
3. कर्ज व ब्याज संबंधी जानकारी देना
4. शासन पद्धति में सहायता करना

Correct Answer :-

- आहार-व्यवहार की पद्धति बताना

10) महाकवि विद्यापति की रचनाएं संस्कृत, अवहट्ठ और मैथिली - तीनों ही भाषाओं में उपलब्ध हैं । वे कर्मकाण्ड, धर्मशास्त्र, दर्शन, न्यास, सौन्दर्य-शास्त्र आदि के प्रकाण्ड पण्डित थे । उनकी रचनाओं के विपुल भण्डार से उनके ज्ञानफलक का अनन्त विस्तार स्पष्ट होता है । भक्ति रचना, श्रृंगारिक रचनाओं में मिलन-विरह के सूक्ष्म मनोभाव, रति-अभिसार के विशद चित्रण, कृतित्व वर्णन से राजपुरुषों का उत्साह वर्द्धन और नीति-शास्त्रों द्वारा उन्हें कर्तव्यबोध देना, सामान्य जन-जीवन के आहार-व्यवहार की पद्धतियाँ बताना तथा हर क्षेत्र की

समीचीन जानकारियाँ उनकी कालजयी रचनाओं में दर्ज हैं । शास्त्र और लोक के संपूर्ण संसार पर उनका असाधारण अधिकार था । ओइनवारवंशीय अनेक राजाओं के शासनकाल में रचित उनकी समस्त कृतियाँ उनके अथाह ज्ञान और दूरदर्शिता का प्रमाण है । सहवर्ती राजाओं की शासन-पद्धति में वे सतत अपना मार्गदर्शन देते रहे । दरबार-सम्पोषित होने के बावजूद उनका एक भी रचनात्मक उद्यम कहीं चारण-धर्म में लिप्त नहीं हुआ । अपनी हर रचना से उन्होंने समकालीन चिन्तक, सामाजिक अभिकर्ता और राजकीय सलाहकार की प्रखर नैतिकता का निर्वहन किया ।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - महाकवि विद्यापति के तत्कालीन राजदरबार से किस प्रकार के संबंध थे ?

1. वे दरबार सम्पोषित थे।

2. वे दरबार से अनासक्त थे।

3. वे चारण कवि थे।

4. वे भाट कवि थे।

Correct Answer :-

- वे दरबार सम्पोषित थे।

---

11) महाकवि विद्यापति की रचनाएं संस्कृत, अवहट्ठ और मैथिली - तीनों ही भाषाओं में उपलब्ध हैं । वे कर्मकाण्ड, धर्मशास्त्र, दर्शन, न्यास, सौन्दर्य-शास्त्र आदि के प्रकाण्ड पण्डित थे । उनकी रचनाओं के विपुल भण्डार से उनके ज्ञानफलक का अनन्त विस्तार स्पष्ट होता है । भक्ति रचना, श्रृंगारिक रचनाओं में मिलन-विरह के सूक्ष्म मनोभाव, रति-अभिसार के विशद चित्रण, कृतित्व वर्णन से राजपुरुषों का उत्साह वर्द्धन और नीति-शास्त्रों द्वारा उन्हें कर्तव्यबोध देना, सामान्य जन-जीवन के आहार-व्यवहार की पद्धतियाँ बताना तथा हर क्षेत्र की समीचीन जानकारियाँ उनकी कालजयी रचनाओं में दर्ज हैं । शास्त्र और लोक के संपूर्ण संसार पर उनका असाधारण अधिकार था । ओइनवारवंशीय अनेक राजाओं के शासनकाल में रचित उनकी समस्त कृतियाँ उनके अथाह ज्ञान और दूरदर्शिता का प्रमाण है । सहवर्ती राजाओं की शासन-पद्धति में वे सतत अपना मार्गदर्शन देते रहे । दरबार-सम्पोषित होने के बावजूद उनका एक भी रचनात्मक उद्यम कहीं चारण-धर्म में लिप्त नहीं हुआ । अपनी हर रचना से उन्होंने समकालीन चिन्तक, सामाजिक अभिकर्ता और राजकीय सलाहकार की प्रखर नैतिकता का निर्वहन किया ।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - महाकवि विद्यापति निम्न में से किस विषय के प्रकाण्ड पंडित नहीं थे?

1. धर्मशास्त्र

2. दर्शन

3. कर्मकाण्ड

4. क्रमकाण्ड

Correct Answer :-

- क्रमकाण्ड

---

12) महाकवि विद्यापति की रचनाएं संस्कृत, अवहट्ठ और मैथिली - तीनों ही भाषाओं में उपलब्ध हैं । वे कर्मकाण्ड, धर्मशास्त्र, दर्शन, न्यास, सौन्दर्य-शास्त्र आदि के प्रकाण्ड पण्डित थे । उनकी रचनाओं के विपुल भण्डार से उनके ज्ञानफलक का अनन्त विस्तार स्पष्ट होता है । भक्ति रचना, श्रृंगारिक रचनाओं में मिलन-विरह के सूक्ष्म मनोभाव, रति-अभिसार के विशद चित्रण, कृतित्व वर्णन से राजपुरुषों का उत्साह वर्द्धन और नीति-शास्त्रों द्वारा उन्हें कर्तव्यबोध देना, सामान्य जन-जीवन के आहार-व्यवहार की पद्धतियाँ बताना तथा हर क्षेत्र की समीचीन जानकारियाँ उनकी कालजयी रचनाओं में दर्ज हैं । शास्त्र और लोक के संपूर्ण संसार पर उनका असाधारण अधिकार था । ओइनवारवंशीय अनेक राजाओं के शासनकाल में रचित उनकी समस्त कृतियाँ उनके अथाह ज्ञान और दूरदर्शिता का प्रमाण है । सहवर्ती राजाओं की शासन-पद्धति में वे सतत अपना मार्गदर्शन देते रहे । दरबार-सम्पोषित होने के बावजूद उनका एक भी रचनात्मक उद्यम कहीं चारण-धर्म में लिप्त नहीं हुआ । अपनी हर रचना से उन्होंने समकालीन चिन्तक, सामाजिक अभिकर्ता और राजकीय सलाहकार की प्रखर नैतिकता का निर्वहन किया ।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - किन विषयों के संपूर्ण संसार पर महाकवि विद्यापति का असाधारण अधिकार था?

1. राज लोक एवं भौतिक लोक

2. स्वर्ग लोक और पाताल लोक

3. शास्त्र और लोक

4. पुस्तकालय और विद्यापीठ

Correct Answer :-

- शास्त्र और लोक

---

13) महाकवि विद्यापति की रचनाएं संस्कृत, अवहट्ठ और मैथिली - तीनों ही भाषाओं में उपलब्ध हैं । वे कर्मकाण्ड, धर्मशास्त्र, दर्शन, न्यास, सौन्दर्य-शास्त्र आदि के प्रकाण्ड पण्डित थे । उनकी रचनाओं के विपुल भण्डार से उनके ज्ञानफलक का अनन्त विस्तार स्पष्ट होता है । भक्ति रचना, श्रृंगारिक रचनाओं में मिलन-विरह के सूक्ष्म मनोभाव, रति-अभिसार के विशद चित्रण, कृतित्व वर्णन से राजपुरुषों का उत्साह वर्द्धन और नीति-शास्त्रों द्वारा उन्हें कर्तव्यबोध देना, सामान्य जन-जीवन के आहार-व्यवहार की पद्धतियाँ बताना तथा हर क्षेत्र की समीचीन जानकारियाँ उनकी कालजयी रचनाओं में दर्ज हैं । शास्त्र और लोक के संपूर्ण संसार पर उनका असाधारण अधिकार था । ओइनवारवंशीय अनेक राजाओं के शासनकाल में रचित उनकी समस्त कृतियाँ उनके अथाह ज्ञान और दूरदर्शिता का प्रमाण है । सहवर्ती राजाओं की शासन-पद्धति में वे सतत अपना मार्गदर्शन देते रहे । दरबार-सम्पोषित होने के बावजूद उनका एक भी रचनात्मक उद्यम कहीं चारण-धर्म में लिप्त नहीं हुआ । अपनी हर रचना से उन्होंने समकालीन चिन्तक, सामाजिक अभिकर्ता और राजकीय सलाहकार की प्रखर नैतिकता का निर्वहन किया ।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - महाकवि विद्यापति ने राजदरबार में किस भूमिका का निर्वहन किया ?

1. कवि

2. सामाजिक अभिकर्ता

3. राजपुरुष

4. सलाहकार

Correct Answer :-

- सलाहकार

14) महाकवि विद्यापति की रचनाएं संस्कृत, अवहट्ट और मैथिली - तीनों ही भाषाओं में उपलब्ध हैं। वे कर्मकाण्ड, धर्मशास्त्र, दर्शन, न्यास, सौन्दर्य-शास्त्र आदि के प्रकाण्ड पण्डित थे। उनकी रचनाओं के विपुल भण्डार से उनके ज्ञानफलक का अनन्त विस्तार स्पष्ट होता है। भक्ति रचना, श्रृंगारिक रचनाओं में मिलन-विरह के सूक्ष्म मनोभाव, रति-अभिसार के विशद चित्रण, कृतित्व वर्णन से राजपुरुषों का उत्साहवर्द्धन और नीतिशास्त्रों द्वारा उन्हें कर्तव्यबोध देना, सामान्य जन-जीवन के आहार-व्यवहार की पद्धतियाँ बताना तथा हर क्षेत्र की समीचीन जानकारियाँ उनकी कालजयी रचनाओं में दर्ज हैं। शास्त्र और लोक के संपूर्ण संसार पर उनका असाधारण अधिकार था। ओइनवारवंशीय अनेक राजाओं के शासनकाल में रचित उनकी समस्त कृतियाँ उनके अथाह ज्ञान और दूरदर्शिता का प्रमाण है। सहवर्ती राजाओं की शासन-पद्धति में वे सतत् अपना मार्गदर्शन देते रहे। दरबार-सम्पोषित होने के बावजूद उनका एक भी रचनात्मक उद्यम कहीं चारण-धर्म में लिप्त नहीं हुआ। अपनी हर रचना से उन्होंने समकालीन चिन्तक, सामाजिक अभिकर्ता और राजकीय सलाहकार की प्रखर नैतिकता का निर्वहन किया।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - महाकवि विद्यापति के ज्ञानफलक का अनन्त विस्तार किससे स्पष्ट होता है ?

1. उनकी रचनाओं के विपुल भण्डार से

2. उनकी रचनाओं में चारण-धर्म न होने से

3. उनकी रचनाएँ तीन भाषाओं में होने से

4. उनके ओइनवार वंशीय राजाओं के समयकालीन होने से

Correct Answer :-

- उनकी रचनाओं के विपुल भण्डार से

15) महाकवि विद्यापति की रचनाएं संस्कृत, अवहट्ठ और मैथिली - तीनों ही भाषाओं में उपलब्ध हैं । वे कर्मकाण्ड, धर्मशास्त्र, दर्शन, न्यास, सौन्दर्य-शास्त्र आदि के प्रकाण्ड पण्डित थे । उनकी रचनाओं के विपुल भण्डार से उनके ज्ञानफलक का अनन्त विस्तार स्पष्ट होता है । भक्ति रचना, श्रृंगारिक रचनाओं में मिलन-विरह के सूक्ष्म मनोभाव, रति-अभिसार के विशद चित्रण, कृतित्व वर्णन से राजपुरुषों का उत्साह वर्द्धन और नीति-शास्त्रों द्वारा उन्हें कर्तव्यबोध देना, सामान्य जन-जीवन के आहार-व्यवहार की पद्धतियाँ बताना तथा हर क्षेत्र की समीचीन जानकारियाँ उनकी कालजयी रचनाओं में दर्ज हैं । शास्त्र और लोक के संपूर्ण संसार पर उनका असाधारण अधिकार था । ओइनवारवंशीय अनेक राजाओं के शासनकाल में रचित उनकी समस्त कृतियाँ उनके अथाह ज्ञान और दूरदर्शिता का प्रमाण है । सहवर्ती राजाओं की शासन-पद्धति में वे सतत अपना मार्गदर्शन देते रहे । दरबार-सम्पोषित होने के बावजूद उनका एक भी रचनात्मक उद्यम कहीं चारण-धर्म में लिप्त नहीं हुआ । अपनी हर रचना से उन्होंने समकालीन चिन्तक, सामाजिक अभिकर्ता और राजकीय सलाहकार की प्रखर नैतिकता का निर्वहन किया ।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - निम्न में से किस क्षेत्र की जानकारियाँ महाकवि विद्यापति की रचनाओं में दर्ज नहीं हैं?

1. धर्मशास्त्र

2. दर्शन

3. नीतिशास्त्र

4. सौन्दर्यशास्त्र

Correct Answer :-

- नीतिशास्त्र

16) मैं तो बिगडया विस्वथें बिछुडया, बाबा मेरे ढिग आओ मत कोई।
बेर-बेर बरजत हों रे बाबा, ना तो हम ज्यों बिगडेगा सोई॥

मैं कँ दुनियाँ भई बावरी, ओ कहे बावरा मोही।
अब एक मेरे कहे कौन पतीजे, ए बोहोत झूठे क्यों होई॥

सब मनमें ना कछु मन में, खाली मन मन ही में ब्रह्म।
महामत 'मनको सोई देखे, जिन दृष्टें खुद खसम॥

चितमें चेतन अंतरगत आपे, सकल में रह्या समाई।
अलख को घर याको कोई न लखे, जो ए बोहोत करें चतुराई॥

सतगुरु संगे मैं ए घर पाया, दिया पारब्रह्म देखाई।
महामत 'कहें मैं या विध बिगड्या, तुम जिन बिगडो भाई॥

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - जब दुनिया कवि को बावरा कह रही है, तो वह दुनिया को क्या कह रहा है?

1. गर्विली

2. अहंकारी

3. बावरी

4. खुद्दार

Correct Answer :-

- बावरी

17) मैं तो बिगडया विस्वथें बिछुडया, बाबा मेरे ढिग आओ मत कोई।
बेर-बेर बरजत हों रे बाबा, ना तो हम ज्यों बिगडेगा सोई॥

मैं कँ दुनियाँ भई बावरी, ओ कहे बावरा मोही।
अब एक मेरे कहे कौन पतीजे, ए बोहोत झूठे क्यों होई॥

सब मनमें ना कछु मन में, खाली मन मन ही में ब्रह्म।
महामत 'मनको सोई देखे, जिन दृष्टें खुद खसम॥

चितमें चेतन अंतरगत आपे, सकल में रह्या समाई।
अलख को घर याको कोई न लखे, जो ए बोहोत करें चतुराई॥

सतगुरु संगे मैं ए घर पाया, दिया पारब्रह्म देखाई।
महामत 'कहें मैं या विध बिगड्या, तुम जिन बिगडो भाई॥

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - कवि के अनुसार मन को कौन देख सकता है ?

1. जो देखना चाहता हो

2. जिसका ऑपरेशन हुआ है

3. जिसकी दृष्टि में स्वयं खसम हो

4. जिसकी आँखे हों

Correct Answer :-

- जिसकी दृष्टि में स्वयं खसम हो

18) मैं तो बिगडया विस्वथें बिछुडया, बाबा मेरे ढिग आओ मत कोई।
बेर-बेर बरजत हों रे बाबा, ना तो हम ज्यों बिगडेगा सोई॥

मैं कँ दुनियाँ भई बावरी, ओ कहे बावरा मोही।
अब एक मेरे कहे कौन पतीजे, ए बोहोत झूठे क्यों होई॥

सब मनमें ना कछु मन में, खाली मन मन ही में ब्रह्म।
महामत 'मनको सोई देखे, जिन दृष्टें खुद खसम॥

चितमें चेतन अंतरगत आपे, सकल में रह्या समाई।
अलख को घर याको कोई न लखे, जो ए बोहोत करें चतुराई॥

सतगुरु संगे मैं ए घर पाया, दिया पारब्रह्म देखाई।
महामत 'कहें मैं या विध बिगड्या, तुम जिन बिगडो भाई॥

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - कवि के अनुसार ब्रह्म कहाँ निवास करते हैं?

1. मन में

2. मंदिर में

3. चराचर में

4. ब्रह्माण्ड में

Correct Answer :-

- मन में

19) मैं तो बिगडया विस्वथें बिछुडया, बाबा मेरे ढिग आओ मत कोई।
बेर-बेर बरजत हों रे बाबा, ना तो हम ज्यों बिगडेगा सोई॥

मैं कँ दुनियाँ भई बावरी, ओ कहे बावरा मोही।
अब एक मेरे कहे कौन पतीजे, ए बोहोत झूठे क्यों होई॥

सब मनमें ना कछु मन में, खाली मन मन ही में ब्रह्म।
महामत 'मनको सोई देखे, जिन दृष्टें खुद खसम॥

चितमें चेतन अंतरगत आपे, सकल में रह्या समाई।
अलख को घर याको कोई न लखे, जो ए बोहोत करें चतुराई॥

सतगुरु संगे मैं ए घर पाया, दिया पारब्रह्म देखाई।
महामत 'कहें मैं या विध बिगड्या, तुम जिन बिगडो भाई॥

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - कवि के अनुसार उसका घर कोई भी क्यों नहीं देख सकता ?

1. क्योंकि उस घर का पता किसी को नहीं पता है।

2. क्योंकि उस घर का मार्ग कठिन है।

3. क्योंकि वह अलख का घर है।

4. क्योंकि वह घर बहुत दूर है।

Correct Answer :-

- क्योंकि वह अलख का घर है।

---

20) मैं तो बिगडया विस्वथें बिछुडया, बाबा मेरे ढिग आओ मत कोई।
बेर-बेर बरजत हों रे बाबा, ना तो हम ज्यों बिगडेगा सोई॥

मैं कँ दुनियाँ भई बावरी, ओ कहे बावरा मोही।
अब एक मेरे कहे कौन पतीजे, ए बोहोत झूठे क्यों होई॥

सब मनमें ना कछु मन में, खाली मन मन ही में ब्रह्म।
महामत 'मनको सोई देखे, जिन दृष्टें खुद खसम॥

चितमें चेतन अंतरगत आपे, सकल में रह्या समाई।
अलख को घर याको कोई न लखे, जो ए बोहोत करें चतुराई॥

सतगुरु संगे मैं ए घर पाया, दिया पारब्रह्म देखाई।
महामत 'कहें मैं या विध बिगड्या, तुम जिन बिगडो भाई॥

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - कवि क्यों अपने पास न आने के लिए कह रहा है ?

1. क्योंकि वह झूठा है।

2. क्योंकि उसने सद्गुरु को अपना लिया है।

3. क्योंकि वह परब्रहम से मिल गया।

4. क्योंकि वह संसार से बिछ़ड़ गया है।

Correct Answer :-

- क्योंकि वह संसार से बिछ़ड़ गया है।

---

21) मैं तो बिगडया विस्वथें बिछुडया, बाबा मेरे ढिग आओ मत कोई।
बेर-बेर बरजत हों रे बाबा, ना तो हम ज्यों बिगडेगा सोई॥

मैं कँ दुनियाँ भई बावरी, ओ कहे बावरा मोही।
अब एक मेरे कहे कौन पतीजे, ए बोहोत झूठे क्यों होई॥

सब मनमें ना कछु मन में, खाली मन मन ही में ब्रह्म।
महामत 'मनको सोई देखे, जिन दृष्टें खुद खसम॥

चितमें चेतन अंतरगत आपे, सकल में रह्या समाई।
अलख को घर याको कोई न लखे, जो ए बोहोत करें चतुराई॥

सतगुरु संगे मैं ए घर पाया, दिया पारब्रह्म देखाई।
महामत 'कहें मैं या विध बिगड्या, तुम जिन बिगडो भाई॥

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - कवि किसके जैसा बिगड़ने के लिए कह रहा है ?

1. राजाओं के

2. स्वयं कवि के

3. आवारा लोगों के

4. गुण्डों के

Correct Answer :-

- स्वयं कवि के

---

22) मैं तो बिगडया विस्वथें बिछुडया, बाबा मेरे ढिग आओ मत कोई।
बेर-बेर बरजत हों रे बाबा, ना तो हम ज्यों बिगडेगा सोई॥

मैं कँ दुनियाँ भई बावरी, ओ कहे बावरा मोही।
अब एक मेरे कहे कौन पतीजे, ए बोहोत झूठे क्यों होई॥

सब मनमें ना कछु मन में, खाली मन मन ही में ब्रह्म।
महामत 'मनको सोई देखे, जिन दृष्टें खुद खसम॥

चितमें चेतन अंतरगत आपे, सकल में रह्या समाई।
अलख को घर याको कोई न लखे, जो ए बोहोत करें चतुराई॥

सतगुरु संगे मैं ए घर पाया, दिया पारब्रह्म देखाई।
महामत 'कहें मैं या विध बिगड्या, तुम जिन बिगडो भाई॥

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - कवि ने किसके संग रहकर यह घर पाया ?

1. माया के

2. सद्गुरु के

3. अहंकार के

4. परब्रह्म के

Correct Answer :-

- सद्गुरु के

23) मैं तो बिगडया विस्वथें बिछुडया, बाबा मेरे ढिग आओ मत कोई।
बेर-बेर बरजत हों रे बाबा, ना तो हम ज्यों बिगडेगा सोई॥

मैं कँ दुनियाँ भई बावरी, ओ कहे बावरा मोही।
अब एक मेरे कहे कौन पतीजे, ए बोहोत झूठे क्यों होई॥

सब मनमें ना कछु मन में, खाली मन मन ही में ब्रह्म।
महामत 'मनको सोई देखे, जिन दृष्टें खुद खसम॥

चितमें चेतन अंतरगत आपे, सकल में रह्या समाई।
अलख को घर याको कोई न लखे, जो ए बोहोत करें चतुराई॥

सतगुरु संगे मैं ए घर पाया, दिया पारब्रह्म देखाई।
महामत 'कहें मैं या विध बिगड्या, तुम जिन बिगडो भाई॥

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - "अब एक मेरे कहे कौन पतीजे" पंक्ति में आए 'पतीजे' पद का क्या अर्थ होता है ?

1. जिम्मेदार

2. भतीजा

3. विश्वास

4. पसीना

Correct Answer :-

- विश्वास

24) मैं तो बिगडया विस्वथें बिछुडया, बाबा मेरे ढिग आओ मत कोई।
बेर-बेर बरजत हों रे बाबा, ना तो हम ज्यों बिगडेगा सोई॥

मैं कँ दुनियाँ भई बावरी, ओ कहे बावरा मोही।
अब एक मेरे कहे कौन पतीजे, ए बोहोत झूठे क्यों होई॥

सब मनमें ना कछु मन में, खाली मन मन ही में ब्रह्म।
महामत 'मनको सोई देखे, जिन दृष्टें खुद खसम॥

चितमें चेतन अंतरगत आपे, सकल में रह्या समाई।
अलख को घर याको कोई न लखे, जो ए बोहोत करें चतुराई॥

सतगुरु संगे मैं ए घर पाया, दिया पारब्रह्म देखाई।
महामत 'कहें मैं या विध बिगड्या, तुम जिन बिगडो भाई॥

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - प्रस्तुत कविता के लिए निम्न में से कौन-सा शीर्षक उपयुक्त है?

1. कोई नहीं आस-पास

2. सद्गुरु दिया मिलाय

3. सत्य की राह

4. डार से बिछड़ा

Correct Answer :-

- सद्गुरु दिया मिलाय

25) मैं तो बिगडया विस्वथें बिछुडया, बाबा मेरे ढिग आओ मत कोई।
बेर-बेर बरजत हों रे बाबा, ना तो हम ज्यों बिगडेगा सोई॥

मैं कँ दुनियाँ भई बावरी, ओ कहे बावरा मोही।
अब एक मेरे कहे कौन पतीजे, ए बोहोत झूठे क्यों होई॥

सब मनमें ना कछु मन में, खाली मन मन ही में ब्रह्म।
महामत 'मनको सोई देखे, जिन दृष्टें खुद खसम॥

चितमें चेतन अंतरगत आपे, सकल में रह्या समाई।
अलख को घर याको कोई न लखे, जो ए बोहोत करें चतुराई॥

सतगुरु संगे मैं ए घर पाया, दिया पारब्रह्म देखाई।
महामत 'कहें मैं या विध बिगड्या, तुम जिन बिगडो भाई॥

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - पद्यांश में आए शब्द 'कछु' का अर्थ होता है?

1. कछुआ

2. कुछ

3. छूना

4. सर्वस्व

Correct Answer :-

- कुछ

26) मैं तो बिगडया विस्वथें बिछुडया, बाबा मेरे ढिग आओ मत कोई।
बेर-बेर बरजत हों रे बाबा, ना तो हम ज्यों बिगडेगा सोई॥

मैं कँ दुनियाँ भई बावरी, ओ कहे बावरा मोही।
अब एक मेरे कहे कौन पतीजे, ए बोहोत झूठे क्यों होई॥

सब मनमें ना कछु मन में, खाली मन मन ही में ब्रह्म।
महामत 'मनको सोई देखे, जिन दृष्टें खुद खसम॥

चितमें चेतन अंतरगत आपे, सकल में रह्या समाई।
अलख को घर याको कोई न लखे, जो ए बोहोत करें चतुराई॥

सतगुरु संगे मैं ए घर पाया, दिया पारब्रह्म देखाई।
महामत 'कहें मैं या विध बिगड्या, तुम जिन बिगडो भाई॥

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - पद्यांश में आए 'खसम' शब्द का क्या अर्थ होता है ?

1. पति

2. शपथ

3. संबंधी

4. इशारा

Correct Answer :-

- पति

27) मैं तो बिगडया विस्वथें बिछुडया, बाबा मेरे ढिग आओ मत कोई।
बेर-बेर बरजत हों रे बाबा, ना तो हम ज्यों बिगडेगा सोई॥

मैं कँ दुनियाँ भई बावरी, ओ कहे बावरा मोही।
अब एक मेरे कहे कौन पतीजे, ए बोहोत झूठे क्यों होई॥

सब मनमें ना कछु मन में, खाली मन मन ही में ब्रह्म।
महामत 'मनको सोई देखे, जिन दृष्टें खुद खसम॥

चितमें चेतन अंतरगत आपे, सकल में रह्या समाई।
अलख को घर याको कोई न लखे, जो ए बोहोत करें चतुराई॥

सतगुरु संगे मैं ए घर पाया, दिया पारब्रह्म देखाई।
महामत 'कहें मैं या विध बिगड्या, तुम जिन बिगडो भाई॥

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - कवि विश्व से क्यों बिछड़ गया ?

1. बिगड़ने के कारण

2. अज्ञान के कारण

3. अहंकार के कारण

4. दूर जाने के कारण

Correct Answer :-

- बिगड़ने के कारण

28) मैं तो बिगडया विस्वथें बिछुडया, बाबा मेरे ढिग आओ मत कोई।
बेर-बेर बरजत हों रे बाबा, ना तो हम ज्यों बिगडेगा सोई॥

मैं कँ दुनियाँ भई बावरी, ओ कहे बावरा मोही।
अब एक मेरे कहे कौन पतीजे, ए बोहोत झूठे क्यों होई॥

सब मनमें ना कछु मन में, खाली मन मन ही में ब्रह्म।
महामत 'मनको सोई देखे, जिन दृष्टें खुद खसम॥

चितमें चेतन अंतरगत आपे, सकल में रह्या समाई।
अलख को घर याको कोई न लखे, जो ए बोहोत करें चतुराई॥

सतगुरु संगे मैं ए घर पाया, दिया पारब्रह्म देखाई।
महामत 'कहें मैं या विध बिगड्या, तुम जिन बिगडो भाई॥

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - कौन अलख का घर नहीं पहचान पाता है?

1. चतुर

2. बावरा

3. संसारी

4. ज्ञानी

Correct Answer :-

- चतुर

29) मैं तो बिगडया विस्वथें बिछुडया, बाबा मेरे ढिग आओ मत कोई।
बेर-बेर बरजत हों रे बाबा, ना तो हम ज्यों बिगडेगा सोई॥

मैं कँ दुनियाँ भई बावरी, ओ कहे बावरा मोही।
अब एक मेरे कहे कौन पतीजे, ए बोहोत झूठे क्यों होई॥

सब मनमें ना कछु मन में, खाली मन मन ही में ब्रह्म।
महामत 'मनको सोई देखे, जिन दृष्टें खुद खसम॥

चितमें चेतन अंतरगत आपे, सकल में रह्या समाई।
अलख को घर याको कोई न लखे, जो ए बोहोत करें चतुराई॥

सतगुरु संगे मैं ए घर पाया, दिया पारब्रह्म देखाई।
महामत 'कहें मैं या विध बिगड्या, तुम जिन बिगडो भाई॥

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - सतगुरु संगत् ने कवि को क्या दिखाया है ?

1. गुरु वाणी

2. सच्चा ज्ञान

3. परब्रह्म

4. कविता का ज्ञान

Correct Answer :-

- परब्रह्म

30) मैं तो बिगडया विस्वथें बिछुडया, बाबा मेरे ढिग आओ मत कोई।
बेर-बेर बरजत हों रे बाबा, ना तो हम ज्यों बिगडेगा सोई॥

मैं कँ दुनियाँ भई बावरी, ओ कहे बावरा मोही।
अब एक मेरे कहे कौन पतीजे, ए बोहोत झूठे क्यों होई॥

सब मनमें ना कछु मन में, खाली मन मन ही में ब्रह्म।
महामत 'मनको सोई देखे, जिन दृष्टें खुद खसम॥

चितमें चेतन अंतरगत आपे, सकल में रह्या समाई।
अलख को घर याको कोई न लखे, जो ए बोहोत करें चतुराई॥

सतगुरु संगे मैं ए घर पाया, दिया पारब्रह्म देखाई।
महामत 'कहें मैं या विध बिगड्या, तुम जिन बिगडो भाई॥

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - दुनिया कवि को क्या कहती है ?

1. ढोंगी
2. बावरा
3. कवि
4. साधु

Correct Answer :-

- बावरा

Topic:- General Sanskrit(L2GS)

1)

श्लोकौ पठित्वा अधोनिर्दिष्टस्य प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

पठतो नास्ति मूर्खत्वं जपतो नास्ति पातकम् ।
मौनिनः कलहो नास्ति न भयं चास्ति जाग्रतः ॥

हिताशी स्यात्मिताशी स्यात्कालभोजी जितेन्द्रियः ।
पश्यन्नोगान्बहून्कष्टान्बुद्धिमान्विषमाशनात् ॥

पठतः जपतः च क्रमशः किं किं नास्ति?

1. मूर्खत्वं भयं च
2. पातकं कलहश्च
3. मूर्खत्वं पातकं च
4. पातकं मूर्खत्वं च

Correct Answer :-

- मूर्खत्वं पातकं च

2)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

होलिकायाः महोत्सवः अद्वितीयः एव अस्ति । अयं महोत्सवः भारतीयेषु मुख्येषु उत्सवेषु गण्यते। उत्सवः अयं हास-परिहासस्य, नृत्यस्य, कूर्दनस्य, गानस्य, वादनस्य च अस्ति ।
होलिकोत्सवः प्रतिवर्षं फाल्गुणमासस्य पूर्णिमायां भवति । अथ को हेतुः अस्य उत्सवस्य ? अत्र उच्यते-वसन्तस्य आगमे सति प्रकृति-सौन्दर्यं वर्धते, वनेषु उपवनेषु विविधवर्णानि कुसुमानि विकसन्ति, क्षेत्रेषु सर्षपपुष्पाणि शोभां वर्धयन्ति, आम्रेषु कोकिलाः कूजन्ति । शीतलः मन्दः सुगन्धः च वातः वहति । एतेन मादकेन मधु-ऋतुना मनुष्याः उन्मत्ता: भवन्ति । प्रकृते: अनुकरणं कुर्वन्तः ते अपि परस्परं नाना रागैः रञ्जयन्ति । होलिकोत्सावे सर्वेऽपि जनाः परस्परं वैर-विरोधं विस्मरन्ति । ते परस्परमालिङ्गन्ति । होलिकोत्सवस्य आरम्भस्य कथा इयं प्रसिद्धा- होलिका हिरण्यकशिपोः भगिनी आसीत् । हिरण्यकशिपुः ईश्वरे नाविश्वसत् । तस्य पुत्रः प्रहलादः परमभक्तः अभवत् । पिता नैकवारं पुत्रस्य हत्यायै प्रयत्नमकरोत्, किन्तु सदा एव असफलः अभवत् । एकदा तेन स्वभगिनी होलिका आदिष्टा । सा च प्रहलादं मारयितुं, तं क्रोडे निधाय वन्हौ प्रविष्टा । भगवतः इच्छया सा तु स्वयमेव दग्धा अभवत् । प्रहलादस्तु सर्वथा सुरक्षितः अतिष्ठत् । तद्दिनादारभ्य एषः उत्सवः प्रचलितः । होलिकायाः अन्ते जनाः अग्निं प्रज्वाल्य होलिकादहनं कुर्वन्ति ।

'हिरण्यकशिपु' अस्य षष्टीविभक्तेः एकवचनरूपं किम् ?

1. हिरण्यकश्यपस्य
2. हिरण्यकशिपुस्य
3. हिरण्यकशिपास्य
4. हिरण्यकशिपोः

Correct Answer :-

- हिरण्यकशिपोः

3)

श्लोकौ पठित्वा अधोनिर्दिष्टस्य प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

पठतो नास्ति मूर्खत्वं जपतो नास्ति पातकम् ।
मौनिनः कलहो नास्ति न भयं चास्ति जाग्रतः ॥

हिताशी स्यात्मिताशी स्यात्कालभोजी जितेन्द्रियः ।
पश्यन्नोगान्बहून्कष्टान्बुद्धिमान्विषमाशनात् ॥

भयं च कलहश्च अनुक्रमं एतयोः न भवति -

1. जपतः, मौनिनः
2. जाग्रतः, जपतः
3. जाग्रतः, मौनिनः
4. मौनिनः, पठतः

Correct Answer :-

- जाग्रतः, मौनिनः

4)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

होलिकायाः महोत्सवः अद्वितीयः एव अस्ति । अयं महोत्सवः भारतीयेषु मुख्येषु उत्सवेषु गण्यते। उत्सवः अयं हास-परिहासस्य, नृत्यस्य, कूर्दनस्य, गानस्य, वादनस्य च अस्ति ।
होलिकोत्सवः प्रतिवर्षं फाल्गुणमासस्य पूर्णिमायां भवति । अथ को हेतुः अस्य उत्सवस्य ? अत्र उच्यते-वसन्तस्य आगमे सति प्रकृति-सौन्दर्यं वर्धते, वनेषु उपवनेषु विविधवर्णानि कुसुमानि विकसन्ति, क्षेत्रेषु सर्षपपुष्पाणि शोभां वर्धयन्ति, आम्रेषु कोकिलाः कूजन्ति । शीतलः मन्दः सुगन्धः च वातः वहति । एतेन मादकेन मधु-ऋतुना मनुष्याः उन्मत्ता: भवन्ति । प्रकृते: अनुकरणं कुर्वन्तः ते अपि परस्परं नाना रागैः रञ्जयन्ति । होलिकोत्सावे सर्वेऽपि जनाः परस्परं वैर-विरोधं विस्मरन्ति । ते परस्परमालिङ्गन्ति । होलिकोत्सवस्य आरम्भस्य कथा इयं प्रसिद्धा- होलिका हिरण्यकशिपोः भगिनी आसीत् । हिरण्यकशिपुः ईश्वरे नाविश्वसत् । तस्य पुत्रः प्रहलादः परमभक्तः अभवत् । पिता नैकवारं पुत्रस्य हत्यायै प्रयत्नमकरोत्, किन्तु सदा एव असफलः अभवत् । एकदा तेन स्वभगिनी होलिका आदिष्टा । सा च प्रहलादं मारयितुं, तं क्रोडे निधाय वन्हौ प्रविष्टा । भगवतः इच्छया सा तु स्वयमेव दग्धा अभवत् । प्रहलादस्तु सर्वथा सुरक्षितः अतिष्ठत् । तद्दिनादारभ्य एषः उत्सवः प्रचलितः । होलिकायाः अन्ते जनाः अग्निं प्रज्वाल्य होलिकादहनं कुर्वन्ति ।

आम्रेषु एते कूजन्ति -

1. काकाः
2. कोकिलाः
3. पिकाः
4. शुकाः

Correct Answer :-

- कोकिलाः

5)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

वनानि देशस्य महासम्पत्तयः । देशस्य शोभा तरुलतापादपैः एव वर्तते । यत्र एते न भवन्ति तत्र मनुजानां जीवनमपि असंभवम् । वनस्पतयः अस्मभ्यं पत्र-पुष्प-कन्द-मूल-फलादिकं दत्त्वा भोजनं प्रस्तुतीकुर्वन्ति । अस्माकं पशवः अपि एतेभ्यः निजभोजनं प्राप्नुवन्ति । वनस्पतयः अस्माकं ग्राम-नगर-वीथि-पण्यवीथिका-उपवन-वनानां शोभां वर्धयन्ति । तरुलता-पादपानामभावे एते शुष्काः, नीरसाः, सौन्दर्यहीनाः च प्रतीयन्ते । वृक्षा अस्मभ्यं छायां प्रयच्छन्ति, इन्धनं ददति, गृह-द्वाराय, काष्ठपीठाय, आसन्दिकायै मञ्चाय वा काष्ठं प्रयच्छन्ति । एते अस्मभ्यं नाना ओषधयः अपि यच्छन्ति । वृक्षाः जलवायुसन्तुलनं रक्षन्ति । एतैः भूक्षरणमवरुध्यते । एवं वनस्पतयः अस्मान् बहुशः उपकुर्वन्ति । एतदेव विचार्य स्वर्गीयः कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशीमहोदयः (यः श्री जवाहरलालस्य मंत्रिमंडले कृषिमन्त्री आसीत्) वनमहोत्सवं आरभत । तद्दिनात् आरभ्य उत्सवोऽयं प्रतिवर्षं श्रावणमासे उत्साहेन आचर्यते भारतीयैः । संजयगांधिना स्वपंचसूत्रेषु वृक्षारोपणमपि सूत्रत्वेन परिगृहीतम् आसीत् । वस्तुतः यदि वयं प्रतिवर्षं वनमहोत्सवं कुर्याम, वृक्षारोपणं समाचरेम, वृक्षाणां संरक्षणं च कुर्याम तदा अस्माकं देशः पञ्चभिरेव वर्षैः तरु-लता-पादपैः सम्पन्नः वनसम्पत्तिवान् भवेत् ।

अनेन वृक्षारोपणमपि सूत्रत्वेन परिगृहीतम् ।

1. महात्मागान्धिना
2. राजीवगान्धिना
3. राहुल्गान्धिना
4. संजयगांधिना

Correct Answer :-

. संजयगांधिना

6)

श्लोकौ पठित्वा अधोनिर्दिष्टस्य प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

पठतो नास्ति मूर्खत्वं जपतो नास्ति पातकम् ।
मौनिनः कलहो नास्ति न भयं चास्ति जाग्रतः ॥

हिताशी स्यात्मिताशी स्यात्कालभोजी जितेन्द्रियः ।
पश्यन्नोगान्बहून्कष्टान्बुद्धिमान्विषमाशनात् ॥

स्वास्थ्यरक्षणार्थम् एवं न भवेत् -

1. जितेन्द्रियः
2. हिताशी
3. कालभोजी
4. अमिताशी

Correct Answer :-

. अमिताशी

---

7) श्लोकौ पठित्वा अधोनिर्दिष्टस्य प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

पठतो नास्ति मूर्खत्वं जपतो नास्ति पातकम् ।
मौनिनः कलहो नास्ति न भयं चास्ति जाग्रतः ॥

हिताशी स्यात्मिताशी स्यात्कालभोजी जितेन्द्रियः ।
पश्यन्नोगान्बहून्कष्टान्बुद्धिमान्विषमाशनात् ॥

"नास्ति" इति पदस्य पर्यायपदम् अस्ति -

1. स्वस्ति
2. अस्ति
3. मां

4. मा

Correct Answer :-

. मा

8)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

वनानि देशस्य महासम्पत्तय: । देशस्य शोभा तरुलतापादपैः एव वर्तते । यत्र एते न भवन्ति तत्र मनुजानां जीवनमपि असंभवम् । वनस्पतयः अस्मभ्यं पत्र-पुष्प-कन्द-मूल-फलादिकं दत्त्वा भोजनं प्रस्तुतीकुर्वन्ति । अस्माकं पशवः अपि एतेभ्यः निजभोजनं प्राप्नुवन्ति । वनस्पतयः अस्माकं ग्राम-नगर-वीथि-पण्यवीथिका-उपवन-वनानां शोभां वर्धयन्ति । तरुलता-पादपानामभावे एते शुष्काः, नीरसाः, सौन्दर्यहीनाः च प्रतीयन्ते । वृक्षा अस्मभ्यं छायां प्रयच्छन्ति, इन्धनं ददति, गृह-द्वाराय, काष्ठपीठाय, आसन्दिकायै मञ्चाय वा काष्ठं प्रयच्छन्ति । एते अस्मभ्यं नाना ओषधयः अपि यच्छन्ति । वृक्षाः जलवायुसन्तुलनं रक्षन्ति । एतैः भूक्षरणमवरुध्यते । एवं वनस्पतयः अस्मान् बहुशः उपकुर्वन्ति । एतदेव विचार्य स्वर्गीयः कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशीमहोदयः (यः श्री जवाहरलालस्य मंत्रिमंडले कृषिमन्त्री आसीत्) वनमहोत्सवं आरभत । तद्दिनात् आरभ्य उत्सवोऽयं प्रतिवर्षं श्रावणमासे उत्साहेन आचर्यते भारतीयैः । संजयगांधिना स्वपंचसूत्रेषु वृक्षारोपणमपि सूत्रत्वेन परिगृहीतम् आसीत् । वस्तुतः यदि वयं प्रतिवर्षं वनमहोत्सवं कुर्याम, वृक्षारोपणं समाचरेम, वृक्षाणां संरक्षणं च कुर्याम तदा अस्माकं देशः पञ्चभिरेव वर्षैः तरु-लता-पादपैः सम्पन्नः वनसम्पत्तिवान् भवेत् ।

देशस्य महासम्पत्तय:

1. जलानि
2. स्वर्णानि
3. युवानः
4. वनानि

Correct Answer :-

. वनानि

9)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

होलिकायाः महोत्सवः अद्वितीयः एव अस्ति । अयं महोत्सवः भारतीयेषु मुख्येषु उत्सवेषु गण्यते। उत्सवः अयं हास-परिहासस्य, नृत्यस्य, कूर्दनस्य, गानस्य, वादनस्य च अस्ति ।
होलिकोत्सवः प्रतिवर्षं फाल्गुणमासस्य पूर्णिमायां भवति । अथ को हेतुः अस्य उत्सवस्य ? अत्र उच्यते-वसन्तस्य आगमे सति प्रकृति-सौन्दर्यं वर्धते, वनेषु उपवनेषु विविधवर्णानि कुसुमानि विकसन्ति, क्षेत्रेषु सर्षपपुष्पाणि शोभां वर्धयन्ति, आम्रेषु कोकिलाः कूजन्ति । शीतलः मन्दः सुगन्धः च वातः वहति । एतेन मादकेन मधु-ऋतुना मनुष्याः उन्मत्ता: भवन्ति । प्रकृते: अनुकरणं कुर्वन्तः ते अपि परस्परं नाना रागैः रञ्जयन्ति । होलिकोत्सावे सर्वेऽपि जनाः परस्परं वैर-विरोधं विस्मरन्ति । ते परस्परमालिङ्गन्ति । होलिकोत्सवस्य आरम्भस्य कथा इयं प्रसिद्धा- होलिका हिरण्यकशिपोः भगिनी आसीत् । हिरण्यकशिपुः ईश्वरे नाविश्वसत् । तस्य पुत्रः प्रह्लादः परमभक्तः अभवत् । पिता नैकवारं पुत्रस्य हत्यायै प्रयत्नमकरोत्, किन्तु सदा एव असफलः अभवत् । एकदा तेन स्वभगिनी होलिका आदिष्टा । सा च प्रह्लादं मारयितुं, तं क्रोडे निधाय वन्हौ प्रविष्टा । भगवतः इच्छया सा तु स्वयमेव दग्धा अभवत् । प्रह्लादस्तु सर्वथा सुरक्षितः अतिष्ठत् । तद्दिनादारभ्य एषः उत्सवः प्रचलितः । होलिकायाः अन्ते जनाः अग्निं प्रज्वाल्य होलिकादहनं कुर्वन्ति ।

जनाः कथं होलिकादहनं कुर्वन्ति ?

1. निद्रां त्यक्त्वा
2. जलं पीत्वा
3. भोजनं कृत्वा
4. अग्निं प्रज्वाल्य

Correct Answer :-

- अग्निं प्रज्वाल्य

10)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

वनानि देशस्य महासम्पत्तयः । देशस्य शोभा तरुलतापादपैः एव वर्तते । यत्र एते न भवन्ति तत्र मनुजानां जीवनमपि असंभवम् । वनस्पतयः अस्मभ्यं पत्र-पुष्प-कन्द-मूल-फलादिकं दत्त्वा भोजनं प्रस्तुतीकुर्वन्ति । अस्माकं पशवः अपि एतेभ्यः निजभोजनं प्राप्नुवन्ति । वनस्पतयः अस्माकं ग्राम-नगर-वीथि-पण्यवीथिका-उपवन-वनानां शोभां वर्धयन्ति । तरुलता-पादपानामभावे एते शुष्काः, नीरसाः, सौन्दर्यहीनाः च प्रतीयन्ते । वृक्षा अस्मभ्यं छायां प्रयच्छन्ति, इन्धनं ददति, गृह-द्वाराय, काष्ठपीठाय, आसन्दिकायै मञ्चाय वा काष्ठं प्रयच्छन्ति । एते अस्मभ्यं नाना ओषधयः अपि यच्छन्ति । वृक्षाः जलवायुसन्तुलनं रक्षन्ति । एतैः भूक्षरणमवरुध्यते । एवं वनस्पतयः अस्मान् बहुशः उपकुर्वन्ति । एतदेव विचार्य स्वर्गीयः कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशीमहोदयः (यः श्री जवाहरलालस्य मंत्रिमंडले कृषिमन्त्री आसीत्) वनमहोत्सवं आरभत । तद्दिनात् आरभ्य उत्सवोऽयं प्रतिवर्षं श्रावणमासे उत्साहेन आचर्यते भारतीयैः । संजयगांधिना स्वपंचसूत्रेषु वृक्षारोपणमपि सूत्रत्वेन परिगृहीतम् आसीत् । वस्तुतः यदि वयं प्रतिवर्षं वनमहोत्सवं कुर्याम, वृक्षारोपणं समाचरेम, वृक्षाणां संरक्षणं च कुर्याम तदा अस्माकं देशः पञ्चभिरेव वर्षैः तरु-लता-पादपैः सम्पन्नः वनसम्पत्तिवान् भवेत् ।

प्रतिवर्षम् अत्र अयं समासः ।

1. बहुव्रीहि:
2. तत्पुरुष:
3. अव्ययीभाव:
4. द्वन्द्व:

Correct Answer :-

- अव्ययीभाव:

11)

श्लोकौ पठित्वा अधोनिर्दिष्टस्य प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

नास्ति विद्यासमो बन्धुः नास्ति व्याधिसमो रिपुः ।
नास्ति धर्मसमो मित्रं कुर्वाणोनावसीदति ॥

उद्यमः साहसं धैर्यं बुद्धिः शक्तिः पराक्रमः ।
षडेते यत्र वर्तन्ते तत्र देवः प्रसीदति ॥

देवप्रसादनस्य षड्विषयेषु इदं नान्तर्भवति -

1. धैर्यं
2. शुद्धिः
3. बुद्धिः
4. साहसं

Correct Answer :-

. शुद्धिः

12)

श्लोकौ पठित्वा अधोनिर्दिष्टस्य प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

नास्ति विद्यासमो बन्धुः नास्ति व्याधिसमो रिपुः ।
नास्ति धर्मसमो मित्रं कुर्वाणोनावसीदति ॥

उद्यमः साहसं धैर्यं बुद्धिः शक्तिः पराक्रमः ।
षडेते यत्र वर्तन्ते तत्र देवः प्रसीदति ॥

अत्र समूहेतरपदमस्ति -

1. उद्यमः
2. बुद्धिः
3. पराक्रमः

4. धर्मः

Correct Answer :-

. धर्मः

---

13)

श्लोकौ पठित्वा अधोनिर्दिष्टस्य प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

नास्ति विद्यासमो बन्धुः नास्ति व्याधिसमो रिपुः ।
नास्ति धर्मसमो मित्रं कुर्वाणोनावसीदति ॥

उद्यमः साहसं धैर्यं बुद्धिः शक्तिः पराक्रमः ।
षडेते यत्र वर्तन्ते तत्र देवः प्रसीदति ॥

"प्रसीदति" इत्यत्र लकारः अस्ति -

1. लट्
2. लेट्
3. लुट्
4. लिट्

Correct Answer :-

. लट्

---

14)

श्लोकौ पठित्वा अधोनिर्दिष्टस्य प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

नास्ति विद्यासमो बन्धुः नास्ति व्याधिसमो रिपुः ।
नास्ति धर्मसमो मित्रं कुर्वाणोनावसीदति ॥

उद्यमः साहसं धैर्यं बुद्धिः शक्तिः पराक्रमः ।
षडेते यत्र वर्तन्ते तत्र देवः प्रसीदति ॥

सुभाषितोक्तरीत्या रिपुः अयमस्ति -

1. व्याधिः

2. कामः

3. धर्मः

4. विद्या

Correct Answer :-

. व्याधिः

15) परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

होलिकायाः महोत्सवः अद्वितीयः एव अस्ति । अयं महोत्सवः भारतीयेषु मुख्येषु उत्सवेषु गण्यते। उत्सवः अयं हास-परिहासस्य, नृत्यस्य, कूर्दनस्य, गानस्य, वादनस्य च अस्ति ।
होलिकोत्सवः प्रतिवर्षं फाल्गुणमासस्य पूर्णिमायां भवति । अथ को हेतुः अस्य उत्सवस्य ? अत्र उच्यते-वसन्तस्य आगमे सति प्रकृति-सौन्दर्यं वर्धते, वनेषु उपवनेषु विविधवर्णानि कुसुमानि विकसन्ति, क्षेत्रेषु सर्षपपुष्पाणि शोभां वर्धयन्ति, आम्रेषु कोकिलाः कूजन्ति । शीतलः मन्दः सुगन्धः च वातः वहति । एतेन मादकेन मधु-ऋतुना मनुष्याः उन्मत्ता: भवन्ति । प्रकृतेः अनुकरणं कुर्वन्तः ते अपि परस्परं नाना रागैः रञ्जयन्ति । होलिकोत्सावे सर्वेऽपि जनाः परस्परं वैर-विरोधं विस्मरन्ति । ते परस्परमालिङ्गन्ति । होलिकोत्सवस्य आरम्भस्य कथा इयं प्रसिद्धा- होलिका हिरण्यकशिपोः भगिनी आसीत् । हिरण्यकशिपुः ईश्वरे नाविश्वसत् । तस्य पुत्रः प्रहलादः परमभक्तः अभवत् । पिता नैकवारं पुत्रस्य हत्यायै प्रयत्नमकरोत्, किन्तु सदा एव असफलः अभवत् । एकदा तेन स्वभगिनी होलिका आदिष्टा । सा च प्रहलादं मारयितुं, तं क्रोडे निधाय वन्हौ प्रविष्टा । भगवतः इच्छया सा तु स्वयमेव दग्धा अभवत् । प्रहलादस्तु सर्वथा सुरक्षितः अतिष्ठत् । तद्दिनादारभ्य एषः उत्सवः प्रचलितः । होलिकायाः अन्ते जनाः अग्निं प्रज्वाल्य होलिकादहनं कुर्वन्ति ।

फाल्गुणमासस्य पूर्णिमायां अयमुत्सवः भवति -

1. दीपोत्सवः

2. होलिकोत्सवः

3. वसन्तोत्सवः

4. रथोत्सवः

Correct Answer :-

. होलिकोत्सवः

16)

श्लोकौ पठित्वा अधोनिर्दिष्टस्य प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

नास्ति विद्यासमो बन्धुः नास्ति व्याधिसमो रिपुः ।
नास्ति धर्मसमो मित्रं कुर्वाणोनावसीदति ॥

उद्यमः साहसं धैर्यं बुद्धिः शक्तिः पराक्रमः ।
षडेते यत्र वर्तन्ते तत्र देवः प्रसीदति ॥

"षडेते" इति पदस्य सन्धिविच्छेदः अस्ति -

1. षड+इते
2. षट्+एते
3. षडे+ते
4. षड्+इते

Correct Answer :-

. षट्+एते

17)

श्लोकौ पठित्वा अधोनिर्दिष्टस्य प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

पठतो नास्ति मूर्खत्वं जपतो नास्ति पातकम् ।
मौनिनः कलहो नास्ति न भयं चास्ति जाग्रतः ॥

हिताशी स्यात्मिताशी स्यात्कालभोजी जितेन्द्रियः ।
पश्यन्नोगान्बहून्कष्टान्बुद्धिमान्विषमाशनात् ॥

विषमाशनस्य कष्टान् ज्ञात्वा बुद्धिमान् एवं भवेत् -

1. आरक्षकः
2. धनिकः
3. मिताशी
4. सूक्ष्मः

Correct Answer :-

. मिताशी

---

18) कौरवानां पक्षे एतावति अक्षौहिणी सैन्यमासीत्-

1. दश
2. सप्त
3. अष्टौ
4. एकादश

Correct Answer :-

. एकादश

---

19) पञ्चतन्त्रस्य वैशिष्ट्यमस्ति -

1. सरलकथाविन्यासः
2. कथायां कथान्तरविन्यासः
3. नीतिबोधककथाविन्यासः

4. लघुकथाविन्यासः

Correct Answer :-

- कथायां कथान्तरविन्यासः

20) चाणक्यनीतौ एतावन्तः अध्यायाः सन्ति -

1. नवदश
2. द्वादश
3. सप्तदश
4. एकादश

Correct Answer :-

- सप्तदश

21) दिलीपस्य पतिव्रता पत्नी अस्ति -

1. सुभगिनी
2. सुदक्षिणा
3. सुदेष्णा
4. सुहासिनी

Correct Answer :-

- सुदक्षिणा

22) मण्डलसङ्ग्रहीतमन्त्रसमूहः अनेन नाम्ना प्रसिद्धोऽस्ति

1. अध्याय:
2. अष्टकम्
3. सूक्तम्
4. अनुवाक:

Correct Answer :-

. सूक्तम्

23) बाणभट्टस्य पुत्रः अयम् अस्ति -

1. नारायणभाट्टः

2. शोणभट्टः

3. गोपालभट्टः

4. पुलिन्दभट्टः

Correct Answer :-

. पुलिन्दभट्टः

24) 'गुणाढ्यः' अस्य अवतारः इति विद्वांसः मन्यन्ते -

1. व्यासस्य

2. शिवस्य

3. विष्णोः

4. ब्रह्मणः

Correct Answer :-

. व्यासस्य

25) ऊरुभङ्गः नामक-नाटकस्यान्ते सहृदयमनसि अयं भावः सञ्जायते -

1. हास:

2. शोक:

3. जुगुप्सा

4. रति:

Correct Answer :-

. शोक:

26)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

वनानि देशस्य महासम्पत्तयः । देशस्य शोभा तरुलतापादपैः एव वर्तते । यत्र एते न भवन्ति तत्र मनुजानां जीवनमपि असंभवम् । वनस्पतयः अस्मभ्यं पत्र-पुष्प-कन्द-मूल-फलादिकं दत्त्वा भोजनं प्रस्तुतीकुर्वन्ति । अस्माकं पशवः अपि एतेभ्यः निजभोजनं प्राप्नुवन्ति । वनस्पतयः अस्माकं ग्राम-नगर-वीथि-पण्यवीथिका-उपवन-वनानां शोभां वर्धयन्ति । तरुलता-पादपानामभावे एते शुष्काः, नीरसाः, सौन्दर्यहीनाः च प्रतीयन्ते । वृक्षा अस्मभ्यं छायां प्रयच्छन्ति, इन्धनं ददति, गृह-द्वाराय, काष्ठपीठाय, आसन्दिकायै मञ्चाय वा काष्ठं प्रयच्छन्ति । एते अस्मभ्यं नाना ओषधयः अपि यच्छन्ति । वृक्षाः जलवायुसन्तुलनं रक्षन्ति । एतैः भूक्षरणमवरुध्यते । एवं वनस्पतयः अस्मान् बहुशः उपकुर्वन्ति । एतदेव विचार्य स्वर्गीयः कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशीमहोदयः (यः श्री जवाहरलालस्य मंत्रिमंडले कृषिमन्त्री आसीत्) वनमहोत्सवं आरभत । तद्दिनात् आरभ्य उत्सवोऽयं प्रतिवर्षं श्रावणमासे उत्साहेन आचर्यते भारतीयैः । संजयगांधिना स्वपंचसूत्रेषु वृक्षारोपणमपि सूत्रत्वेन परिगृहीतम् आसीत् । वस्तुतः यदि वयं प्रतिवर्षं वनमहोत्सवं कुर्याम, वृक्षारोपणं समाचरेम, वृक्षाणां संरक्षणं च कुर्याम तदा अस्माकं देशः पञ्चभिरेव वर्षैः तरु-लता-पादपैः सम्पन्नः वनसम्पत्तिवान् भवेत् ।

एते इन्धनं ददति ।

1. चन्द्रः
2. लताः
3. सूर्यः
4. वृक्षाः

Correct Answer :-

. वृक्षाः

27)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

वनानि देशस्य महासम्पत्तयः । देशस्य शोभा तरुलतापादपैः एव वर्तते । यत्र एते न भवन्ति तत्र मनुजानां जीवनमपि असंभवम् । वनस्पतयः अस्मभ्यं पत्र-पुष्प-कन्द-मूल-फलादिकं दत्त्वा भोजनं प्रस्तुतीकुर्वन्ति । अस्माकं पशवः अपि एतेभ्यः निजभोजनं प्राप्नुवन्ति । वनस्पतयः अस्माकं ग्राम-नगर-वीथि-पण्यवीथिका-उपवन-वनानां शोभां वर्धयन्ति । तरुलता-पादपानामभावे एते शुष्काः, नीरसाः, सौन्दर्यहीनाः च प्रतीयन्ते । वृक्षा अस्मभ्यं छायां प्रयच्छन्ति, इन्धनं ददति, गृह-द्वाराय, काष्ठपीठाय, आसन्दिकायै मञ्चाय वा काष्ठं प्रयच्छन्ति । एते अस्मभ्यं नाना ओषधयः अपि यच्छन्ति । वृक्षाः जलवायुसन्तुलनं रक्षन्ति । एतैः भूक्षरणमवरुध्यते । एवं वनस्पतयः अस्मान् बहुशः उपकुर्वन्ति । एतदेव विचार्य स्वर्गीयः कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशीमहोदयः (यः श्री जवाहरलालस्य मंत्रिमंडले कृषिमन्त्री आसीत्) वनमहोत्सवं आरभत । तद्दिनात् आरभ्य उत्सवोऽयं प्रतिवर्षं श्रावणमासे उत्साहेन आचर्यते भारतीयैः । संजयगांधिना स्वपंचसूत्रेषु वृक्षारोपणमपि सूत्रत्वेन परिगृहीतम् आसीत् । वस्तुतः यदि वयं प्रतिवर्षं वनमहोत्सवं कुर्याम, वृक्षारोपणं समाचरेम, वृक्षाणां संरक्षणं च कुर्याम तदा अस्माकं देशः पञ्चभिरेव वर्षैः तरु-लता-पादपैः सम्पन्नः वनसम्पत्तिवान् भवेत् ।

माणिकलाल-मुंशीमहोदयः एतदारभत ।

1. नवरात्रिमहोत्सवम्
2. दसरामहोत्सवम्
3. गणेशोत्सवम्
4. वनमहोत्सवम्

Correct Answer :-

- वनमहोत्सवम्

28) भासस्य दूतवाक्यमं नाटकं किमाधारितम्?

1. बृहत्कथा
2. एकोऽपि न

3. रामायणम्

4. पुराणम्

Correct Answer :-

- एकोऽपि न

29) काक-कूर्म-मृग-मूषककथा पञ्चतन्त्रस्य अस्मिन् तन्त्रे अस्ति -

1. काकोलूकीयम्

2. अपरीक्षितकारकम्

3. लब्धप्रणाश:

4. मित्रसम्प्राप्ति:

Correct Answer :-

- मित्रसम्प्राप्ति:

30)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

होलिकायाः महोत्सवः अद्वितीयः एव अस्ति । अयं महोत्सवः भारतीयेषु मुख्येषु उत्सवेषु गण्यते। उत्सवः अयं हास-परिहासस्य, नृत्यस्य, कूर्दनस्य, गानस्य, वादनस्य च अस्ति ।
होलिकोत्सवः प्रतिवर्षं फाल्गुणमासस्य पूर्णिमायां भवति । अथ को हेतुः अस्य उत्सवस्य ? अत्र उच्यते-वसन्तस्य आगमे सति प्रकृति-सौन्दर्यं वर्धते, वनेषु उपवनेषु विविधवर्णानि कुसुमानि विकसन्ति, क्षेत्रेषु सर्षपपुष्पाणि शोभां वर्धयन्ति, आम्रेषु कोकिलाः कूजन्ति । शीतलः मन्दः सुगन्धः च वातः वहति । एतेन मादकेन मधु-ऋतुना मनुष्याः उन्मत्ता: भवन्ति । प्रकृते: अनुकरणं कुर्वन्तः ते अपि परस्परं नाना रागैः रञ्जयन्ति । होलिकोत्सावे सर्वेऽपि जनाः परस्परं वैर-विरोधं विस्मरन्ति । ते परस्परमालिङ्गन्ति । होलिकोत्सवस्य आरम्भस्य कथा इयं प्रसिद्धा- होलिका हिरण्यकशिपोः भगिनी आसीत् । हिरण्यकशिपुः ईश्वरे नाविश्वसत् । तस्य पुत्रः प्रहलादः परमभक्तः अभवत् । पिता नैकवारं पुत्रस्य हत्यायै प्रयत्नमकरोत्, किन्तु सदा एव असफलः अभवत् । एकदा तेन स्वभगिनी होलिका आदिष्टा । सा च प्रहलादं मारयितुं, तं क्रोडे निधाय वन्हौ प्रविष्टा । भगवतः इच्छया सा तु स्वयमेव दग्धा अभवत् । प्रहलादस्तु सर्वथा सुरक्षितः अतिष्ठत् । तद्दिनादारभ्य एषः उत्सवः प्रचलितः । होलिकायाः अन्ते जनाः अग्निं प्रज्वाल्य होलिकादहनं कुर्वन्ति ।

हिरण्यकशिपोः भगिनी एषा आसीत् -

1. हिरण्मयी
2. शूर्पणखा
3. होलिका
4. मण्डोदरी

Correct Answer :-

- होलिका

Topic:- HINDI (HIN)

1) इनमें से कौन सी अच्छे निबंध की विशेषता नहीं है-

1. कसावट
2. विषयानुकूलता
3. प्रभावशाली भाषा

4. रुकावट

Correct Answer :-

- रुकावट

2) शिक्षण को प्रभावशाली कैसे बनाया जा सकता है?

1. शिक्षण सूत्रों के आधार पर
2. शिक्षण को व्यवसाय से जोड़कर
3. शिक्षण को अत्यधिक सरकारी अनुदान देकर
4. इनमें से कोई नहीं

Correct Answer :-

- शिक्षण सूत्रों के आधार पर

3) शिक्षण सहायक सामग्री का गुण है -

1. उपरोक्त सभी
2. केवल परिशुद्धता
3. केवल रोचकता
4. केवल प्रासंगिकता

Correct Answer :-

- उपरोक्त सभी

4) किस प्रकार के पत्र में शब्दों का बंधन होता है?

1. तार
2. फैक्स
3. पोस्ट कार्ड
4. अन्तर्देशीय पत्र

Correct Answer :-

- तार

5) रूप रेखा अनुकरण विधि है-

1. लेखन कौशल
2. श्रवण कौशल
3. वाचन कौशल
4. पढ़ने का कौशल

Correct Answer :-

- लेखन कौशल

6) श्याम और राधा एक दूसरे से बातचीत कर रहे हैं, यह रूप है:

1. उपरोक्त सभी
2. केवल सांकेतिक अभिव्यक्ति का
3. केवल मौखिक अभिव्यक्ति का
4. केवल लिखित अभिव्यक्ति का

Correct Answer :-

- केवल मौखिक अभिव्यक्ति का

7) श्यामपट्ट को साफ करने की सही प्रक्रिया है-

1. ऊपर से नीचे की ओर
2. नीचे से ऊपर की ओर
3. बाएं से दायें की ओर
4. दायें से बाएं की ओर

Correct Answer :-

- बाएं से दायें की ओर

8) इनमें से कौन-से निबंधकार भारतेंदु युगीन निबंधकार नहीं हैं?

1. गुलाबराय
2. प्रतापनारायण मिश्र
3. राधाचरण गोस्वामी
4. बालकृष्ण भट्ट

Correct Answer :-

- गुलाबराय

9) इनमें से किस रचनाकार की कहानियाँ देश विभाजन से संबंधित हैं?

1. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
2. अनामिका
3. भीष्म साहनी
4. जयशंकर प्रसाद

Correct Answer :-

- भीष्म साहनी

10) डिस्लेक्सिया का लक्षण है:

1. उपरोक्त सभी
2. केवल वर्णमाला अधिगम में कठिनाई
3. केवल वर्तनी दोष से पीड़ित होना
4. केवल एकाग्रता में कठिनाई

Correct Answer :-

- उपरोक्त सभी

11) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' कृत 'सरोज स्मृति' के संदर्भ में कौन-सा कथन सही नहीं है?

1. इसमे कवि ने अपने अपने जीवन-संघर्षों का चित्रण किया है।
2. इसमें निराला की विद्रोही भावना भी व्यक्त हुई है।
3. यह एक शोकगीत है।
4. यह निराला की प्रयोगवादी रचना है।

Correct Answer :-

- यह निराला की प्रयोगवादी रचना है।

12) 'आपका आशीर्वाद मेरा एकमात्र सम्बल है' इस वाक्य की परिसमाप्ति वाला पत्र किसके द्वारा किसे लिखा जा रहा होगा?

1. समकक्ष अधिकारी द्वारा दूसरे अधिकारी को
2. किसी बालक द्वारा वृद्धजन को
3. किसी वृद्धजन द्वारा बालक को

4. मित्र द्वारा मित्र को

Correct Answer :-

- किसी बालक द्वारा वृद्धजन को

13) 'तार सप्तक' के संपादक कौन थे?

1. गजानन माधव मुक्तिबोध
2. सच्चिदानंद हीरानंद वात्सायन 'अज्ञेय'
3. रामधारी सिंह 'दिनकर'
4. त्रिलोचन शास्त्री

Correct Answer :-

- सच्चिदानंद हीरानंद वात्सायन 'अज्ञेय'

14) 'मजदूरी और प्रेम' शीर्षक प्रसिद्ध निबंध किसके द्वारा लिखित है?

1. जिद्दू कृष्णमूर्ति
2. आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी
3. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. सरदार पूर्ण सिंह

Correct Answer :-

- सरदार पूर्ण सिंह

15) 'मित्रता' नामक निबंध के निबंधकार कौन हैं?

1. आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी
2. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. राजेंद्र प्रसाद द्विवेदी
4. आचार्य रामचंद्र शुक्ल

Correct Answer :-

- आचार्य रामचंद्र शुक्ल

16) 'स्कूल बंद हो गया और लड़के घर जाने लगे' का सरल वाक्य में रूपांतरण कौन सा है?

1. स्कूल बंद होते ही लड़के घर जाने लगे।
2. स्कूल बंद हुआ कि लड़के घर जाने लगे।
3. स्कूल बंद होने पर लड़के घर जाने लगे।
4. ज्यो ही स्कूल बंद हुआ त्यों ही लड़के घर जाने लगे।

Correct Answer :-

- स्कूल बंद होने पर लड़के घर जाने लगे।

17) 'कौमुदी महोत्सव' किसके द्वारा रचित नाटक है?

1. उपेन्द्र नाथ अश्क
2. रामकुमार वर्मा
3. भीष्म साहनी
4. राहुल सांकृत्यायन

Correct Answer :-

- रामकुमार वर्मा

18) 'काव्य में रहस्यवाद' किसकी पुस्तक है?

1. नंद दुलारे वाजपेयी
2. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
3. डॉ. नगेन्द्र
4. महादेवी वर्मा

Correct Answer :-

- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

19) 'ग्राम' कहानी किसके द्वारा लिखित है?

1. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
2. भीष्म साहनी
3. प्रेमचंद
4. जयशंकर प्रसाद

Correct Answer :-

- जयशंकर प्रसाद

20) 'बधाई पत्र' किस प्रकार का पत्र है?

1. कार्यालयीन पत्र
2. सामाजिक पत्र
3. औपचारिक पत्र
4. सरकारी पत्र

Correct Answer :-

- सामाजिक पत्र

21) 'किस वर्ग के निबंध में किसी यात्रा अथवा साहसपूर्ण कृत्य का विवरण प्रस्तुत किया जाता है और इसमें मनोरंजन की उपस्थिति अनिवार्य है'-

1. विवरणात्मक निबंध
2. वैज्ञानिक निबंध
3. विचारात्मक निबंध
4. निग्मात्मक निबंध

Correct Answer :-

- विवरणात्मक निबंध

22) 'टोकरा भर मिट्टी' किसके द्वारा लिखित कहानी है?

1. गजानन माधव मुक्तिबोध
2. माधवराव सप्रे
3. मिश्र बंधु
4. जगन्नाथ प्रसाद खत्री

Correct Answer :-

- माधवराव सप्रे

23) किस छायावादी रचनाकार की रचनाओं में भावनात्मक रहस्यवाद के दर्शन होते हैं?

1. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
2. सुमित्रानंदन पंत
3. जयशंकर प्रसाद

4. महादेवी वर्मा

Correct Answer :-

- महादेवी वर्मा

24) श्रवण के आधार पर भाषा का कौन सा भेद है:

1. कृत्रिम भाषा, सहज भाषा
2. अयोगात्मक और संयोगात्मक भाषा
3. क्लिष्ट और सरल भाषा
4. मधुर भाषा, कर्कश भाषा

Correct Answer :-

- मधुर भाषा, कर्कश भाषा

25) लिखने के नियमों का ज्ञान होता है:

1. व्याकरण के द्वारा
2. बोलने के द्वारा
3. हाथ द्वारा
4. भावनाओं के द्वारा

Correct Answer :-

- व्याकरण के द्वारा

26) सीखने के लिए बातचीत करना किन आयुवर्गों के लिए आवश्यक होता है:

1. किशोरावस्था के लिए
2. सभी आयु वर्गों के लिए
3. बाल्यावस्था के लिए
4. शैशवावस्था के लिए

Correct Answer :-

- सभी आयु वर्गों के लिए

27) भारत में हिंदी को किस भाषा का दर्जा प्राप्त है?

1. राष्ट्र भाषा
2. विभाषा
3. मातृ भाषा
4. राजभाषा

Correct Answer :-

- राजभाषा

28) पति-पत्नी बात कर रहे हैं, मैं वहाँ जाकर _____ । वाक्य में कौन सा मुहावरा उपयुक्त है।

1. कमर नहीं कसूंगा
2. कफ़न सर पर नहीं बाँधूंगा
3. कबाब में हड्डी नहीं बनूँगा
4. कब्र में पाँव नहीं लटकाऊंगा

Correct Answer :-

- कबाब में हड्डी नहीं बनूँगा

29) पुत्र द्वारा पिता को लिखा गया पत्र किस प्रकार का पत्र माना जाएगा?

1. व्यावसायिक पत्र
2. कार्यालयीन पत्र
3. व्यक्तिगत पत्र
4. सांस्कृतिक पत्र

Correct Answer :-

- व्यक्तिगत पत्र

30) वाचन कौशल का उद्देश्य है -

1. उपरोक्त सभी
2. केवल सही व्याकरण वाली भाषा का प्रयोग
3. केवल बालकों का उच्चारण शुद्ध करना
4. केवल बोलने में विराम चिन्हों का प्रयोग करना

Correct Answer :-

- उपरोक्त सभी

31) भाषा वह साधन है जिसके द्वारा हम व्यक्त करते हैं -

1. इनमें से कोई नहीं
2. आस्था को
3. कर्तव्यों को
4. विचारों को

Correct Answer :-

- विचारों को

32) भाषा ग्रहण करने की प्रक्रिया एक ऐसी प्रक्रिया है जो -

1. अस्थिर है
2. निरंतर चलती है
3. निश्चित अवधि तक चलती है
4. स्थिर है

Correct Answer :-

- निरंतर चलती है

33) कक्षा में राष्ट्रीय चिन्ह के बारे में बताने से पहले यदि शिक्षक मोर, चीता, कमल आदि के बारे में बताता है तो वह शिक्षण की कौन सी विधि अपनाता है?

1. ज्ञात से अज्ञात की ओर
2. स्थूल से सूक्ष्म की ओर
3. सरल से जटिल की ओर
4. विशिष्ट से सामान्य की ओर

Correct Answer :-

- ज्ञात से अज्ञात की ओर

34) निम्न में से कौन-सी अनिवार्यता औपचारिक पत्रों के संबंध में लागू नहीं होती है?

1. पत्र संख्या अनिवार्य होना
2. पत्र के अंगों का निश्चित क्रम
3. निश्चित संबोधन का निश्चित स्थान पर होना

4. हस्ताक्षर एवं सील का न होना

Correct Answer :-

- हस्ताक्षर एवं सील का न होना

35) निम्न में से कौन-सी सामान्य प्रवृत्ति के रूप मे छायावादी कविता में नहीं पायी जाती है?

1. व्यक्तिगत वेदनाओं की अभिव्यक्ति
2. बाह्य श्रृंगार का मांसल चित्रण
3. काव्य-शिल्प एवं सामाजिक रूढ़ियों के प्रति विद्रोह की भावना
4. प्रकृति का मानवीकरण

Correct Answer :-

- बाह्य श्रृंगार का मांसल चित्रण

36) निम्न में से किस प्रकार के पत्र में 'भवदीय' का प्रयोग किया जाता है?

1. औपचारिक पत्र
2. अनौपचारिक पत्र
3. समाचार पत्र
4. प्रश्न पत्र

Correct Answer :-

- औपचारिक पत्र

37) निम्न में से कौन-सी विशेषता प्रेमचंद के कहानियों में नहीं पायी जाती है?

1. जीवन की सच्चाई को चित्रित करती हैं।
2. भारतीय गाँवों का चित्रण आता है।
3. सर्वसामान्य की भाषा में लिखित हैं।
4. रोमेंटिक दृष्टिकोण से समृद्ध हैं।

Correct Answer :-

- रोमेंटिक दृष्टिकोण से समृद्ध हैं।

38) निम्न में से कौन-सी विशेषता जयशंकर प्रसाद के नाटकों की नहीं है?

1. इनकी कथा इतिहास पर आधारित होती है।
2. इनकी कथा पुराणों पर आधारित होती है।
3. अपनी संरचना में यह यथार्थवादी नाटक हैं।
4. उनके पात्रों का स्वतंत्र व्यक्तित्व होता है।

Correct Answer :-

- अपनी संरचना में यह यथार्थवादी नाटक हैं।

39) निम्नलिखित पंक्तियाँ किस छन्द की उदाहरण हैं?

दूलह श्री रघुनाथ बने,दुलहीं सिय सुन्दर मंदिर मांहीं।

गावति गीत सबै मिलि सुन्दरि, विप्र जुवा जुरि वेद पढ़ाहीं।

राम को रूप निहारति जानकी ,कंकन के नग की परछाहीं ।

यातै सबै सुधि भूलि गई, कर टेकि रही पल टारत नाहीं ।।

1. सुमुखी सवैया छन्द
2. मत्तगयन्द छन्द
3. किरीट सवैया छन्द

4. दुर्मिल सवैया छन्द

Correct Answer :-

- मत्तगयन्द छन्द

40) निम्नलिखित पंक्तियों में कौन सा छन्द है?

नैनों में अंगार भरो, कर में कटार धरो,

बढ़ चलो बेटों तुम, बैरियों को मारने।

धरती भी कहती है, गगन भी कहता है,

अब तो हवा भी जैसे, लगी है पुकारने॥

1. छप्पय छन्द
2. रूप घनाक्षरी छन्द
3. सवैया छन्द
4. घनाक्षरी छन्द

Correct Answer :-

- घनाक्षरी छन्द

41) निम्नलिखित पंक्तियों में कौन सा छन्द है?

हम कौन थे,क्या हो गये हैं और क्या होंगे अभी ।

आओ विचारें आज मिलकर, यह समस्याएं सभी ।।

1. त्रिभंगी छन्द
2. सरसी छन्द
3. रोला छन्द
4. हरिगीतिका छन्द

Correct Answer :-

- हरिगीतिका छन्द

42) निम्नलिखित पंक्तियों में कौन-सा अलंकार है?

कपि करि हृदय विचारि दीन्हि मुद्रिका डारि तब ।

जानि अशोक अंगार,सीय हरषि उठि कर गहेउ ।।

1. भ्रांतिमान अलंकार
2. वीप्सा अलंकार
3. संदेह अलंकार
4. उदाहरण अलंकार

Correct Answer :-

- भ्रांतिमान अलंकार

43) समाचार पत्र में भ्रामक विज्ञापन के संदर्भ में आप किसे शिकायती पत्र लिखेंगें?

1. राष्ट्रपति
2. पत्र के संपादक
3. माता-पिता
4. अपने शिक्षक

Correct Answer :-

- पत्र के संपादक

44) किसी सरकारी कार्यालय से सूचना माँगने संबंधी पत्र में किसे संबोधित किया जाता है?

1. कार्यालय सभापति

2. कार्यालय सचीव

3. कार्यालय अध्यक्ष

4. सूचना अधिकारी

Correct Answer :-

- सूचना अधिकारी

45) मुख्यार्थ पर बाधा होने पर रूढ़ी या प्रयोजन के कारण जिस शब्द शक्ति से मुख्यार्थ से सम्बंधित जो अन्य अर्थ लक्षित होता है, उसे कौन से शब्द शक्ति कहते हैं?

1. विरोधा शब्द शक्ति

2. लक्षणा शब्द शक्ति

3. व्यंजना शब्द शक्ति

4. अभिधा शब्द शक्ति

Correct Answer :-

- लक्षणा शब्द शक्ति

46) 'उसी का जूता उसी का सर', लोकोक्ति का अर्थ है -

1. जूता मारना ।

2. कई वार करना ।

3. किसी को उसी की युक्ति से मात देना।

4. पूरी ताकत से बदला चुकाना।

Correct Answer :-

- किसी को उसी की युक्ति से मात देना।

47) 'सुनना' भाषा विकास का निम्न चरण है:

1. द्वितीय

2. प्रथम

3. तृतीय

4. चतुर्थ

Correct Answer :-

- प्रथम

48) प्रोजेक्टर द्वारा आकृति को -

1. सूक्ष्म रूप में दिखाया जाता है।

2. छोटा करके दिखाया जाता है।

3. पर्दे पर दिखाया जाता है।

4. धुंधला करके दिखाया जाता है।

Correct Answer :-

- धुंधला करके दिखाया जाता है।

49) “मुझे तोड़ लेना वनमाली !

उस पथ पर तुम दा फेक

मातृभूमि पर शीश चढ़ाने

जिस पथ जावे वीर अनेक।” - यह पंक्तियाँ किस कवि की हैं?

1. माखनलाल चतुर्वेदी

2. जयशंकर प्रसाद

3. रामधारी सिंह 'दिनकर'

4. सुभद्राकुमारी चौहान

Correct Answer :-

- माखनलाल चतुर्वेदी

50) "यदि गद्य कवियों की कसौटी है तो निबंध गद्य की कसौटी है।" किसने कहा है?

1. हजारी प्रसाद द्विवेदी

2. आचार्य रामचंद्र शुक्ल

3. भारतेंदु द्विवेदी

4. महावीर प्रसाद द्विवेदी

Correct Answer :-

- आचार्य रामचंद्र शुक्ल

51) गणितीय कौशल संबंधी विकार होता है:

1. पूर्ण अक्षर लिखना

2. समय-सारिणी बनाने में कठिनाई

3. अपठनीय हस्तलेखन

4. कागज को बहुत पास से पकड़ना

Correct Answer :-

- समय-सारिणी बनाने में कठिनाई

52) हिंदी साहित्य में 'हालावाद' का प्रवर्तक किसे माना जाता है?

1. सुमित्रानंदन पंत

2. हरिवंशराय बच्चन

3. रामधारी सिंह 'दिनकर'

4. जानकी वल्लभ शास्त्री

Correct Answer :-

- हरिवंशराय बच्चन

53) सही विकल्प बताएं -

छन्द हीन रचना _____ कहलाती है।

1. प्रबंध

2. पद्य

3. गद्य

4. गद्य गीत

Correct Answer :-

- गद्य

54) सही विकल्प बताएं -

इसके अंतर्गत विभिन्न सर्गों और स्कंधों में सृष्टि के प्रारम्भ और विकास की युग-युगांतरव्यापी कथा कही जाते है।

1. चरित काव्य

2. महाकाव्य

3. पुराण

4. आख्यान

Correct Answer :-

- पुराण

55) सही विकल्प बताइये-

हरिशंकर परसाई ऐसे हिंदी के निबंधकार है, जिन्होंने _____ में उच्चकोटि के निबंधों की रचना की।

1. व्यंग्यात्मक शैली

2. विरोधाभास शैली

3. द्वंद्वात्मक शैली

4. अंतर्द्वान्द्वात्मक शैली

Correct Answer :-

- व्यंग्यात्मक शैली

56) स्वतंत्रता अपने आप में निरपेक्ष नहीं है। एक सीमा पार कर जाने के बाद स्वतंत्रता स्वेच्छाचारिता और उच्छृंखलता में बदल जाती है। एक व्यक्ति को धन कमाने की स्वतंत्रता है, पर काले बाजार की अथवा लूटने की स्वतंत्रता नहीं है। हम एक पागल को मोटर चलाने की स्वतंत्रता नहीं दे सकते, जबकि एक सामान्य नागरिक को, जो मोटर चलाना जानता है मोटर चलाने का आज्ञापत्र प्राप्त करने में कोई कठिनाई नहीं होती। हमको लाउडस्पीकर पर गाने की स्वतंत्रता है, किंतु हमारे गाने से हमारे पड़ोसी के सोने की स्वतंत्रता नष्ट नहीं होनी चाहिए। जो स्वतंत्रता हमें प्राप्त है, वह दूसरे व्यक्ति की स्वतंत्रता में बाधक नहीं होनी चाहिए। हमें स्मरण रखना चाहिए कि हर स्वतंत्रता के साथ एक दायित्व का प्रश्न जुड़ा होता है।

उपर्युक्त परिच्छेद को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर लिखिए:

'हम एक पागल को मोटर चलाने की स्वतंत्रता नहीं दे सकते' - इस कथन का आशय क्या है?

1. उसको वह स्वतंत्रता प्राप्त नहीं होती

2. वह निरपेक्ष नहीं होता

3. उसमें दायित्व बोध नहीं होता

4. स्वतंत्रता का अधिकारी नहीं है

Correct Answer :-

- उसमें दायित्व बोध नहीं होता

57) स्वतंत्रता अपने आप में निरपेक्ष नहीं है। एक सीमा पार कर जाने के बाद स्वतंत्रता स्वेच्छाचारिता और उच्छृंखलता में बदल जाती है। एक व्यक्ति को धन कमाने की स्वतंत्रता है, पर काले बाजार की अथवा लूटने की स्वतंत्रता नहीं है। हम एक पागल को मोटर चलाने की स्वतंत्रता नहीं दे सकते, जबकि एक सामान्य नागरिक को, जो मोटर चलाना जानता है मोटर चलाने का आज्ञापत्र प्राप्त करने में कोई कठिनाई नहीं होती। हमको लाउडस्पीकर पर गाने की स्वतंत्रता है, किंतु हमारे गाने से हमारे पड़ोसी के सोने की स्वतंत्रता नष्ट नहीं होनी चाहिए। जो स्वतंत्रता हमें प्राप्त है, वह दूसरे व्यक्ति की स्वतंत्रता में बाधक नहीं होनी चाहिए। हमें स्मरण रखना चाहिए कि हर स्वतंत्रता के साथ एक दायित्व का प्रश्न जुड़ा होता है।

उपर्युक्त परिच्छेद को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर लिखिए:

प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक क्या हो सकता है?

1. अधिकार और कर्तव्य

2. गाने की स्वतंत्रता

3. स्वतंत्रता का स्मरण

4. स्वतंत्रता का अधिकार

Correct Answer :-

- अधिकार और कर्तव्य

58) स्वतंत्रता अपने आप में निरपेक्ष नहीं है। एक सीमा पार कर जाने के बाद स्वतंत्रता स्वेच्छाचारिता और उच्छृंखलता में बदल जाती है। एक व्यक्ति को धन कमाने की स्वतंत्रता है, पर काले बाजार की अथवा लूटने की स्वतंत्रता नहीं है। हम एक पागल को मोटर चलाने की स्वतंत्रता नहीं दे सकते, जबकि एक सामान्य नागरिक को, जो मोटर चलाना जानता है मोटर चलाने का आज्ञापत्र प्राप्त करने में कोई कठिनाई नहीं होती। हमको लाउडस्पीकर पर गाने की स्वतंत्रता है, किंतु हमारे गाने से हमारे पड़ोसी के सोने की स्वतंत्रता नष्ट नहीं होनी चाहिए। जो स्वतंत्रता हमें प्राप्त है, वह दूसरे व्यक्ति की स्वतंत्रता में बाधक नहीं होनी चाहिए। हमें स्मरण रखना चाहिए कि हर स्वतंत्रता के साथ एक दायित्व का प्रश्न जुड़ा होता है।

उपर्युक्त परिच्छेद को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर लिखिए:

किन स्थितियों में हमें लाउडस्पीकर पर गाने की स्वतंत्रता है?

1. जब गीत हिंदी में हो

2. जब हमारी आवाज सुरीली हो

3. जब हमारे गाने से किसी को तकलीफ न हो

4. जब मोटर चलने का आज्ञापत्र हो

Correct Answer :-

- जब हमारे गाने से किसी को तकलीफ न हो

59) स्वतंत्रता अपने आप में निरपेक्ष नहीं है। एक सीमा पार कर जाने के बाद स्वतंत्रता स्वेच्छाचारिता और उच्छृंखलता में बदल जाती है। एक व्यक्ति को धन कमाने की स्वतंत्रता है, पर काले बाजार की अथवा लूटने की स्वतंत्रता नहीं है। हम एक पागल को मोटर चलाने की स्वतंत्रता नहीं दे सकते, जबकि एक सामान्य नागरिक को, जो मोटर चलाना जानता है मोटर चलाने का आज्ञापत्र प्राप्त करने में कोई कठिनाई नहीं होती। हमको लाउडस्पीकर पर गाने की स्वतंत्रता है, किंतु हमारे गाने से हमारे पड़ोसी के सोने की स्वतंत्रता नष्ट नहीं होनी चाहिए। जो स्वतंत्रता हमें प्राप्त है, वह दूसरे व्यक्ति की स्वतंत्रता में बाधक नहीं होनी चाहिए। हमें स्मरण रखना चाहिए कि हर स्वतंत्रता के साथ एक दायित्व का प्रश्न जुड़ा होता है।

उपर्युक्त परिच्छेद को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर लिखिए:

किन स्थितियों में स्वतंत्रता स्वेच्छाचारी और उच्छृंखलता में बदल जाती है?

1. एक सीमा पार करने के बाद

2. आज्ञापत्र प्राप्त करने के बाद

3. निरपेक्ष भाव के कारण

4. बाधाओं के कारण

Correct Answer :-

- एक सीमा पार करने के बाद

60) स्वतंत्रता अपने आप में निरपेक्ष नहीं है। एक सीमा पार कर जाने के बाद स्वतंत्रता स्वेच्छाचारिता और उच्छृंखलता में बदल जाती है। एक व्यक्ति को धन कमाने की स्वतंत्रता है, पर काले बाजार की अथवा लूटने की स्वतंत्रता नहीं है। हम एक पागल को मोटर चलाने की स्वतंत्रता नहीं दे सकते, जबकि एक सामान्य नागरिक को, जो मोटर चलाना जानता है मोटर चलाने का आज्ञापत्र प्राप्त करने में कोई कठिनाई नहीं होती। हमको लाउडस्पीकर पर गाने की स्वतंत्रता है, किंतु हमारे गाने से हमारे पड़ोसी के सोने की स्वतंत्रता नष्ट नहीं होनी चाहिए। जो स्वतंत्रता हमें प्राप्त है, वह दूसरे व्यक्ति की स्वतंत्रता में बाधक नहीं होनी चाहिए। हमें स्मरण रखना चाहिए कि हर स्वतंत्रता के साथ एक दायित्व का प्रश्न जुड़ा होता है।

उपर्युक्त परिच्छेद को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर लिखिए:

स्वतंत्रता के साथ कौन-सा प्रश्न जुड़ा होता है?

1. अधिकार

2. दायित्व

3. उच्छृंखलता

4. निरपेक्षता

Correct Answer :-

- दायित्व